

Title Code: DELHIN28985. **DCP Licensing Number:** F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com परिवहन विशेष

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

वर्ष 01, अंक 259, नई दिल्ली

शनिवार, 02 दिसंबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली में 2 हजार से ज्यादा वाहनों के धड़ाधड़काटेगए २०-२० हजार के चालान

दिल्ली में बीएस-३ पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कार पर प्रतिबंध के दौरान इन श्रेणी के वाहन चलाने पर वाहन मालिकों पर पांच करोड़, ६२ लाख २० हजार का जुमार्ना लगाया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कार पर प्रतिबंध के दौरान इन श्रेणी के वाहन चलाने पर वाहन मालिकों पर पांच करोड़ 62 लाख 20 हजार का जुमार्ना लगाया गया है। परिवहन विभाग ने इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर 2811 चालान काटे हैं ये सभी चालान 20 हजार जुमार्ने वाले हैं। एक दिन का जुमार्ना 20 लाख 80 हजार बैठता है।

दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कार पर प्रतिबंध के दौरान इन श्रेणी के वाहन चलाने पर वाहन मालिकों पर पांच करोड़,



एक दिन में २० लाख ८० हजार दिल्ली में इन वाहनों पर 27 दिन प्रतिबंध रहा है, ऐसे में इन चालान का प्रतिदिन के हिसाब से आकलन करें तो एक दिन में औसतन 104 चालान काटे गए हैं जिनका एक दिन का जुमार्ना 20 लाख 80 हजार

जुमार्ना लगाया है। दिल्ली में लगाया गया था पांच लाख कारों पर प्रतिबंध

परिवहन विभाग का कहना है कि प्रतिबंध लगाने के साथ ही लोगों को आगाह किया गया था कि वे अपने प्रतिबंधित वाहन सड़कों पर नहीं उतारें, मगर फिर भी लोग नहीं माने और पकड़े जाने पर उनका चालान हुआ है। बीएस-3 पेट्रोल यानी एक अप्रैल 2010 से पहले के पेट्रोल वाहन और बीएस-4 डीजल के एक बैठता है। यानी एक दिन में इतना अप्रैल 2020 से पहले के पंजीकृत

चार पहिया डीजल वाहनों पर दो 84 टीमें चार पहिया वाहनों के साथ नवंबर से प्रतिबंध लगा दिया गया

इसके चलते दिल्ली में बीएस-3 के 2,07,038 पेट्रोल वाहन व बीएस-4 के 3,09,225 डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लग गया था। यानी कुल मिलाकर दिल्ली में पांच लाख से अधिक वाहनों पर प्रतिबंध रहा है। प्रदूषण के चलते लगाए गए ग्रेप- तीन के चलते ये वाहन नहीं चल पा रहे थे। इन वाहनों पर कार्रवाई के लिए परिवहन विभाग

लाख ८० हजार बैठता है। यानी एक दिन में इतना जुमार्ना लगाया है।

पर 27 दिन प्रतिबंध

रहा है, ऐसे में इन

चालान का प्रतिदिन के

हिंसाब से आकलन करें तो

वालान काटे गए हैं जिनका

एक दिन में औसतन १०४

एक दिन का जुमार्ना २०

लगाई गई थीं। दिल्ली में कुल होने वाले प्रदूषण में वाहनों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत के करीब है मानी जा रही है। इसके चलते बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 के डीजल वाहनों पर प्रतिबंध की श्रेणी ग्रेप तीन में ही रखी गई है। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता आयोग ने दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले सार्वजनिक वाहनों को बढावा देने का निर्देश

यूपी परिवहन निगमको 6000 रुपये का जुर्माना

शिमला। जिला उपभोक्ता आयोग ने यात्री टिकट रद्द करने पर यूपी परिवहन निगम को 6000 रुपये का जुमार्ना लगाया है। आयोग ने जुमार्ने की यह राशि शिकायतकर्ता दुर्गेश कंचन को 45 दिन के भीतर अदा करने के आदेश दिए हैं। टुटीकंडी निवासी दुर्गेश ने आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज की थी कि उसने 16 अप्रैल 2022 को लखनऊ से दिल्ली जाने के लिए बस टिकट ऑनलाइन बुक करवाई थी। अपने और परिवार के तीन सदस्यों के लिए उन्होंने ऑनलाइन 5,676 रुपये जमा करवाए थे।

टिकट के मुताबिक शिकायतकर्ता और उनके परिवारजनों ने आलमबाग बस स्टैंड से बैठना था लेकिन यपी परिवहन निगम ने बिना सूचना के टिकट रद्द कर दी। शिकायतकर्ता और उनके परिवारजनों को दूसरे माध्यम से दिल्ली जाना पड़ा। आरोप लगाया था कि यूपी परिवहन निगम ने अनुचित व्यापार व्यवहार का परिचय दिया है। आयोग ने मामले से जुड़े तथ्यों के तहत शिकायतकर्ता की शिकायत को स्वीकार किया और यह निर्णय सुनाया।



3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063 सम्पर्क: 9212122095, 9811732095

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने नवंबर में हर घंटे काटे ३४९ वाहनों के चालान

जिसका मकसद नागरिकों को यातायात दिशानिदेशीं के बारे में शिक्षित करना और सड़क उपयोगकताओं द्वारा नियम अनुपालन लागू करना था।

परिवहन विशेष न्यूज, नई दिल्ली

नवंबर के महीने में विशेष यातायात जागरूकता अभियान के दौरान, गौतम बौद्ध नगर पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2,51,398 ई-चालान जारी किए। यह प्रति घंटे औसतन 349 चालान है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के जारी किए गए ई-चालान का कल मल्य 59 लाख रुपये से ज्यादा था। पुलिस उपायुक्त (यातायात) अनिल कुमार यादव ने विशेष अभियान के समापन पर कहा कि जागरूकता अभियान को 1 नवंबर को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने हरी झंडी दिखाई थी। जिसका मकसद नागरिकों को यातायात दिशानिदेशों के बारे में शिक्षित करना और सडक उपयोगकताओं द्वारा नियम अनुपालन लागू करना था।

यादव ने कहा, ₹नवंबर 2023 के महीने में, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले





करते हुए कुल 2,51,398 ई-चालान जारी

किए गए। उल्लंघनकताओं पर 59.29 लाख

रुपये का जमार्ना लगाया गया। इन जमार्ने में

किया गया है।







यादव ने कहा कि यातायात पुलिस ने जिले

से 2.70 लाख रुपये वसूल किए गए और में ब्लैक स्पॉट को कम करने पर भी काम किया। इसके लिए पुलिस ने क्षेत्रीय परिवहन सरकारी खजाने में जमा कर दिया गया।₹ विभाग, लोक निर्माण विभाग और जिले में उन्होंने कहा कि 2023 में गौतम बौद्ध नगर में अब तक कल 16.97 लाख ई-चालान स्थानीय विकास प्राधिकरणों के साथ नजदीकी जारी किए गए हैं। जबकि 94.54 लाख रुपये से काम किया। जुमार्ना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा

ऐसे कल 15 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई और उनमें से चार में सुधार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि नवंबर में विशेष उन्होंने बताया कि फिलहाल 11 ब्लैक स्पॉट

बचे हैं. जिनके सधार की प्रक्रिया जारी है। यादव ने कहा, ₹ट्रैफिक पुलिस, पुलिस

आयुक्त के मार्गदर्शन में काम कर रही है और सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। ताकि सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों पर भीड़भाड़ को खत्म किया जा सके।र

अधिकारी ने अपील की. ₹हम आम जनता से भी अपील करते हैं कि जब भी वे सडक पर हों तो यातायात नियमों का पालन करें ताकि हम ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं को कम कर सकें।

हो सकेगे निर्माण कार्यः, चल सकेगे प्रतिबंधित वाहन

परिवहन विशेष न्यूज

GRAP-3 Restriction नवंबर में लगातार बने रहे प्रदूषण के भयावह स्तर के मद्देनजर इस बार ग्रेप तीन की पार्बोदयों का समय लंबा खिंच गया। अब 27 दिनों बाद इन पाबंदियों को हटाया गया है। इसके साथ ही अब दिल्ली-एनसीआर में निजी निर्माण कार्यों में लगी पाबंदी हट गई है। बीएस-3 पेट्रोल एवं बीएस-4 डीजल चालित चार पहिया वाहन भी

प्रदूषण के स्तर में हुए सुधार के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप समिति ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) तीन की पाबंदियों को वापस ले लिया है। इसके साथ ही अब दिल्ली-एनसीआर में निजी निर्माण कार्यों में लगी पाबंदी

बीएस-3 पेट्रोल एवं बीएस-4 डीजल चालित चार पहिया वाहन भी चल सकेंगे। बारिश के असर से एक्यूआइ में मंगलवार को हुए सुधार के बाद शाम को ग्रेप की उप समिति की बैठक हुई, जिसमें प्रदूषण स्तर की समीक्षा की गई। बैठक में कहा गया कि प्रदूषण स्तर में सुधार हुआ है और अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता के पाबंदियों को हटाया गया है।



दोबारा 'गंभीर' श्रेणी में जाने के आसार

ग्रेप एक और दो की पाबंदियां रहेंगी

इसी को देखते हुए ग्रेप तीन की गया। ग्रेप एक और दो की पाबंदियां जारी रहेंगी। इससे पूर्व हवा के स्तर में हुए सुधार के बाद समिति ने 18 नवंबर को ग्रेप के चौथे चरण की पाबंदियों को वापस लिया था।

नवंबर में लगातार बने रहे प्रदुषण के भयावह स्तर के मद्देनजर इस बार ग्रेप तीन की पाबंदियों का समय लंबा खिंच गया। प्रदूषण स्तर में बढ़ोतरी होने पर दो नवंबर को यह पाबंदियां लगाई थीं। अब 27 दिनों बाद इन

ग्रेप तीन की पाबंदियों में निजी निर्माण और ध्वस्तीकरण पर पाबंदी लगी थी। लाखों की संख्या में लोग निर्माण सेक्टर में काम करते हैं, इसलिए इन पाबंदियों का असर इन सभी पर पड़ रहा था। बहुत सारे निर्माण कार्य अधूरे पड़े थे।

वहीं, स्टोन क्रेशर आदि का संचालनं भी अब किया जा सकेगा। ग्रेप तीन के तहत बीएस-3 वाले पेट्रोल और बीएस-4 वाले डीजल चार पहिया वाहनों (कारें) पर प्रतिबंध लगा हुआ था। यह पाबंदी दिल्ली के साथ एनसीआर के चार जिलों गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, फरीदाबाद और गुरुग्राम में लगी हुई थी। अब इन वाहनों का संचालन भी किया जा सकेगा।

नवंबर में दूटे सारे रिकॉर्ड, बारिश होने पर भी प्रदूषण से नहीं मिली राहत; दिल्ली की हवा अहा भी खराहा

ऐसे में दिल्ली-एनसीआर वालों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ प्रदूषण और दूसरी तरफ ठंड के तेवर से लोग परेशान होने लगे हैं।दिल्ली के साथ साथ एनसीआर के भी कई इलाकों में हवा की गुणवता 'बेहद खराब' श्रेणी में शामिल हो गई है। परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में पिछले दो दोनों से हो रही बारिश ने मौसम को तो ठंडा कर दिया, लेकिन पारली की आग को शांत नहीं कर पाई। दो दिन की बारिश के बाद भी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण की समस्या बरकरार है। बारिश के बाद अब धीरे-धीरे ठंड भी बढने लगी है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर वालों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ प्रदूषण और दूसरी तरफ ठंड के तेवर से लोग परेशान होने लगे हैं। दिल्ली के साथ साथ एनसीआर के भी कई इलाकों में हवा की गणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में शामिल हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ही एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में बुधवार रखराबर, रबहुत खराबर, रगंभीरर को सुबह वायु गुणवत्ता का स्तर 350 एवं ₹अत्यंत गंभीर₹ श्रेणी में रहा है।



के पार चला गया है। आनंद विहार में एक्यूआई 320, आरके पुरम में 410, पंजाबी बाग में 444 और आईटीओ में 422 रहा। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभानवा है। नौ साल में यह माह दूसरा सबसे प्रदृषित इस साल नवंबर में 13 साल के दौरान सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई है, बावजूद इसके राजधानी को एक भी दिन साफ हवा नहीं मिल पाई है। मंगलवार तक माह के 28 दिनों के दौरान हर रोज

2015 से लेकर 2023 तक नौ साल में यह माह दूसरा सबसे प्रदूषित रहा है।

वर्षा का रिकॉर्ड तोड़ दिया मौसम विभाग के मुताबिक नवंबर की वर्षा ने पिछले बारह साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में इस माह अभी तक 17.3 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य से 188 प्रतिशत ज्यादा है। नवंबर में सामान्य तौर पर 6.0 मिमी वर्षा होती है। इससे पूर्व नवंबर 2010 में 26 मिमी वर्षा हुई थी फिर 2011 से लेकर 2023 तक इस बार सर्वाधिक वर्षा दर्ज की गई है। दिल्ली में नाममात्र वर्षा पिछले चार

साल में तो दिल्ली में नाममात्र की ही वर्षा हुई थी। वर्ष 2022 और 2021 में तो पानी की एक बूंद भी नहीं टपकी थी। जबिक, वर्ष 2020 में 0.6 और वर्ष 2019 में 0.8 मिमी बरसात ही हुई थी। इस हिसाब से देखा जाए तो इस बार नवंबर में अच्छी खासी वर्षा हुई है। वर्षा के चलते ही इस बार दीवाली का दिन भी पिछले कई सालों में सबसे ज्यादा साफ-सुथरा रहा था दिल्ली की हवा खराब लेकिन इसे विडंबना ही कहें या कुछ फिर और... रिकॉर्ड वर्षा के बाद भी दिल्ली वासी लगभग पूरे माह ही प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर रहे। ₹अच्छी₹, ₹संतोषजनक₹ और

₹मध्यम₹ श्रेणी के एक्युआइ वाला दिन तो एक भी रहा ही नहीं, ₹खराब₹ श्रेणी के दिन भी घट गए। मतलब, पूरे माह अधिकांश दिन या तो ₹बहुत खराब₹ श्रेणी वाले रहे या ₹गंभीर₹ श्रेणी वाले। ये हैं दिल्ली के आंकड़े

सीपीसीबी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार औसत एयर इंडेक्स की बात करें तो वर्ष 2015 में यह 358, 2016 में 374, 2017 में 361, 2018 में 335, 2019 में 312, 2020 में 328, 2021 में 380, 2022 में 321 और 2023 में 28 दिनों का 375 दर्ज किया गया है। मतलब यह कि 2021 के बाद इस साल नवंबर का औसत एयर इंडेक्स सबसे अधिक रहा है।

जन सूचना

मैं संजय कुमार बाटला पुत्र श्री मोहन लाल सभी को सूचित कर रहा हूं जो करता आ रहा था उसका नाम बदल कर ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज कर दिया गया है। इस व्यवसाय का जीएसटी नम्बर 07AEQPB9186G1Z3 जो पूर्व नाम से था वहीं है और आज से आप जो भी बिलिंग / आर्डर / पेमेंट भेजे कृप्या वह नए नाम ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज के नाम से भेजे। पुर्व के सभी लेन देन नए नाम से किए जाएंगे

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय:- ३, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -४ पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली ११००६३, कॉरपोरेट कार्यालय:- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

अस्थमा के मरीज भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष न्यूज

अस्थमा के पेशेंट यदि स्वास्थ्य के हिसाब से लाइफस्टाइल को मैनेज करते हैं और उसी हिसाब से डाइट लेते हैं, तो इसको काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।क्योंकि जरा सी लापरवाही के कारण इनकी जान मुश्किल में पड़ सकती है। अस्थमा यानि की दमा के मरीजों को अपनी डाइट का खास ख्याल रखना

क्योंकि जरा सी लापरवाही के कारण इनकी जान मुश्किल में पड़ सकती है। आज के समय में न सिर्फ बुजुर्ग बल्कि युवा और कम उम्र के बच्चें भी अस्थमां की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में इन लोगों को सर्दियों या फिर पॉल्युशन में ज्यादा समस्या होने लगती हैं। अस्थमा का मुख्य कारण बढ़ता प्रदूषण और कमजोर इम्युनिटी है।

हांलाकि अस्थमा के पेशेंट यदि स्वास्थ्य के हिसाब से लाइफस्टाइल को मैनेज करते हैं और उसी हिसाब से डाइट लेते हैं, तो इसको काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अस्थमा के पेशेंट को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

सर्दियों में बनाएं बाजरे की हेल्दी और हरी सब्जियां टेस्टी रेसिपीज, बच्चों के साथ बड़े भी करेंगे आपकी तारीफ

अस्थमा के मरीज की डाइट

बता दें कि दाल हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छी मानी जाती है।क्योंकि दाल में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। अस्थमा के मरीजों कों सोयाबीन, काला चना, मूंग दाल और



अन्य दालों का सेवन करना चाहिए। इससे उनके फेफड़े मजबूत होते हैं। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में एक कटोरी दाल जरूर शामिल करना

अस्थमा के पेशेंट को अपनी डाइट में हरी सब्जियां ज्यादा से ज्यादा शामिल करना चाहिए।हरी सब्जियों के सेवन से फेफड़ों में कफ नहीं जमा होता है और शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व और विटामिन्स मिलते हैं।वहीं इस तरह की डाइट लेने से अस्थमा अटैक आने का खतरा काफी हद तक कम होता है। विटामिन सी

अस्थमा के मरीज को अपनी डाइट में

विटामिन सी से भरपूर फूड्स जरूर शामिल करना चाहिए। विटामिन सी से भरपूर चीजों में एंटी आक्सिडेंट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जो फेफड़ों को सुरक्षित बनाने का काम करता है।साथ हीं इससे अस्थमा अटैक का खतरा भी

काफी कम होता है।

तुलसी में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। साथ ही इसके सेवन से शरीर को एंटी ऑक्सीडेंट मिलता है। ऐसे में अस्थमा के मरीज रोजाना चाय में तुलसी के पत्ते डालकर इसका सेवन कर सकते हैं।इसके सेवन से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।साथ ही सीजनल बीमारियों का खतरा भी

शहद दालचीनी

दमा के मरीजों के लिए दालचीनी और शहद का सेवन काफी फायदा पहुंचा सकता है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले 2-3 चुटकी दालचीनी को शहद में मिलाकर इसका सेवन करने से फेफड़ों को आराम मिलता है। इन चीजों से करें परहेज

वहीं कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं, जिनसे अस्थमा के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए दमा के पेशेंट को अपनी डाइट में पपीता, केला, चीनी, गेहूं, अंडा, सोया, चावल और दही नहीं शामिल करना चाहिए। इसके अलावा ज्यादा तली-भुनी चीजों से भी परहेज

इन बातों का ध्यान, तभी मिलेगा परफेक्ट लुक फैब्रिक का रखें ध्यान

शेरवानी का फैब्रिक ऐसा हो

फिटिंग का रखें ध्यान

जिसमें आपको उलझन ना होने

आपका शेरवानी ना तो ज्यादा

टाइट होनी चाहिए और ना ही

ढीली।अगर शेरवानी ज्यादा टाइट होगी तो इसे पहनकर

बैठे रहना काफी मुश्किल

होगा, लेकिन अगर ये ज्यादा

ढीली होगी तो आपका लुक भी

शादी की शेरवानी खरीदते वक्त जरूर रखें

अगर आप रेडीमेड शेरवानी हमने अक्सर शादी के घरों में खरीद रहे हैं तो उसे अच्छे से देखा है कि लड़कियां तो शादी पहनकर देख लें।कई बार की तैयारी महीनों पहले से शुरू पायजामी का कपड़ा इतना ज्यादा कड़क होता है, कि उसे कर देती हैं, लेकिन लड़के पहनकर बैठे रहना मुश्किल हो अपनी शॉपिंग पर ज्यादा ध्यान जाता है।ऐसे में ध्यान रखें कि

नहीं देते। जबिक शादी का दिन दूल्हा और दुल्हन दोनों के लिए हीं बेहद खास होता है।

परिवहन विशेष न्यूज

इस दिन हर किसी की नजर दुल्हन के साथ-साथ दूल्हे पर भी होती है। ऐसे में दूल्हे को भी सबसे खास दिखना चाहिए।

आज के समय में होने वाले दूल्हों को शेरवानी पहनना काफी पसंद आता है।बाजार में उनकी पसंद के हिसाब से आसानी से शेरवानी मिल भी जाती है।

लेकिन कई बार ये देखा जाता है कि गलत तरह के वेडिंग आउटफिट का चयन करने के बाद रात भर पूजा के समय बैटना काफी मुश्किल हो जाता है।

दरअसल, शादी के दिन जयमाला का बाद रस्में पूरी रात चलती हैं।ऐसे में दूल्हें को वही कपड़े पहनने पड़तें हैं, जिन्हें पहनकर वो घोड़ी चढ़े थे। ऐसे में अगर गलत आउटफिट का चयन हो, तो काफी मुश्किल का सामना करना पड़ संकता है। इसी के चलते आज हम आपको दूल्हे के आउटफिट का चयन करने के कुछ टिप्स बताएंगे।

क्या पहन सकते हैं

अगर ज्यादा ठंड का मौसम है तो आप सूट को भी चुन सकते हैं, लेकिन शेरवानी शादी के दिन सबसे खास दिखती है। ऐसे में कोशिश करें कि अपनी शादी के दिन शेरवानी का ही चयन

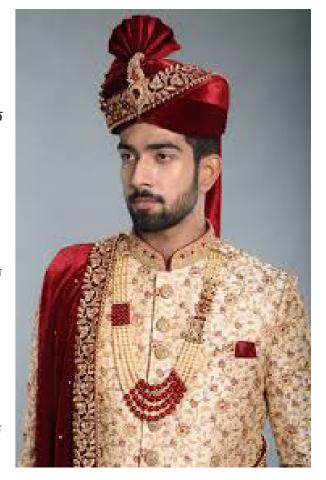
बिगड़ सकता है।ऐसे में शेरवानी की फिटिंग एक दम परफेक्ट ही कराएं।

रंग का रखें ध्यान

वैसे तो आजकल पेस्टल रंग काफी ज्यादा चलन में हैं, लेकिन कई घरों में दूल्हा और दुल्हन को हल्के रंगों से दूर रखते हैं।

ऐसे में आप गोल्डन-सिल्वर, गोल्ड-ब्लैक, गोल्डन-औरेंज, रेड-गोल्डन रंगों को चुन सकते

अगर आपके घर पेस्टल पहनने में कोई दिक्कत नहीं है तो ये एक आइवरी रंग एक बेहतर विकल्प है।



पार्टनर की ये चार बातें प्यार का रिश्ता कर सकती है खराब, कहीं आप तो नहीं कर रहे ये गलतियां

परिवहन विशेष न्यूज

रिश्ता कोई भी हो, उसमें विश्वास की जरूरत होती ही है क्योंकि अगर दोनों लोग एक-दूसरे पर विश्वास नहीं करेंगे, तो फिर रिश्ता टूट भी सकता है।बात अगर प्यार के रिश्ते की करें, तो इसमें एक पार्टनर दूसरे से यही उम्मीद रखता है कि वो उनके बारे में सोचे, उनका ध्यान रखे, उन्हें प्यार करे, उनकी बातें सुने आदि।पर इस बात की कोई गारंटी नहीं कि कौन सा रिश्ता बेहतर चलेगा और कौन सा रिश्ता कुछ पलों में ही दूट जाएगा।ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आपके प्यार का रिश्ता लंबा चले, तो इसके लिए जरूरी है कि आप कुछ बातों का ध्यान रखें। वरना पार्टनर की कुछ आदतें आपका रिश्ता खराब कर सकती है। तो चलिए जानते हैं ये कौन सी बातें हैं। आप अगली स्लाइंड्स में इस बारे में जान सकते हैं...

किन कारणों से रिलेशनशिप टट सकता है

इन आदतों के कारण टूट सकता है रिश्ता

मोबाडल चेक करना

अगर आपका पार्टनर आपका मोबाइल चोरी-छूपे चेक करता है, तो सावधान हो जाए क्योंकि ये एक गलत आदत है और हो सकता है उसे आप पर शंक है। साथ ही पार्टनर अगर अपना मोबाइल आपको नहीं देखने देता है, तो ये आदत भी रिश्ते के लिए खराब हो सकती है।



किन कारणों से रिलेशनशिप टूट सकता है दोस्तों को लेकर गलत सोचना

हर किसी के कोई न कोई दोस्त होते हैं।ऐसे में लोग अपने इन दोस्तों संग समय बिताते हैं, उनके साथ घूमने जाते हैं, पार्टी करते हैं आदि।ऐसे में अगर आपका पार्टनर आपको दोस्तों से मिलने से मना करता हैं या उन्हें छोड़ने को कहता है, तो ये आदत आपके रिश्ते को खराब कर सकती है।

किन कारणों से रिलेशनशिप टूट सकता है

पैसे वापस न करना

जाहिर है कि एक पार्टनर दूसरे पार्टनर की पैसों की भी मदद करता ही है, लेकिन अगर आपका पार्टनर आपसे रोजाना पैसे मांगता है और फिर वापस भी नहीं करता है। तो ऐसे में आपको सोचने की जरूरत है, क्योंकि हो सकता है कि आपका पार्टनर आपके साथ सिर्फ पैसों के लिए हो।

किन कारणों से रिलेशनशिप टूट सकता है

कई लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी बेवजह शक करने की आदत होती है। इससे आपके रिश्ते में खटास आ जाती है। इसलिए ध्यान रहे कि अगर आपका पार्टनर हर एक छोटी बात को लेकर आप पर शक करता है, तो सावधान हो जाए। इस आदत से आपका रिश्ता दूट सकता है।

इस साल हैवी ज्वेलरी की जगह महिलाओं की पसंद हानें ऐसे गहने, आप भी डालें एक नजर

परिवहन विशेष न्यूज

दिसंबर का महीना चल रहा है। अब कुछ ही दिनों में साल खत्म हो जाएगा।हर साल की तरह इस साल के साथ भी लोगों की अच्छी और बुरी की यादें जुड़ी हैं। भले ही साल बदल जाता है, लेकिन वो अपनी छाप छोड़ जाता है। जिस तरह से साल बदलता है, ठीक उसी तरह साल बदलने के साथ-साथ फैशन भी बदलता

फैशन में भले ही कितना भी बदलाव हो जाए लेकिन गहनों के प्रति महिलाओं का प्यार कभी कम नहीं होता। महिलाएं किसी भी कार्यक्रम में खुबसुरत दिखने के लिए गहनों का इस्तेमाल करतीं हैं। समय के साथ-साथ ज्वेलरी के ट्रेंड में भी काफी बदलाव आया है।

अगर बात करें 2023 की, तो इस साल लडिकयों से लेकर महिलाओं तक ने हैवी ज्वेलरी को छोड़ सिंपल गहनों को अपने लिए पसंद किया। हम आपको इसी बारे में आज बताने जा रहे हैं, कि कैसे गहनें इस साल महिलाओं की पसंद बने रहे।

पर्ल ज्वेलरी

पहले के समय में लोग समाज को दिखाने के लिए हैवी ज्वेलरी पहनना पसंद करते थे, लेकिन अब वो अपने लुक के हिसाब से ही ज्वेलरी कैरी करते हैं।ऐसे में इस साल महिलाओं ने एथनिक से लेकर वेस्टर्न तक के



साथ पर्ल ज्वेलरी को ही चुना। लेयर ज्वेलरी

बहुत सी महिलाओं को हैवी ज्वेलरी पसंद है, लेकिन उसका अब ज्यादा ट्रेंड नहीं हैं।ऐसे में ये लेयर ज्वेलरी ऐसी ही महिलाओं के लिए इस साल वरदान साबित हुई।इस साल महिलाओं ने इस तरह की लेयर ज्वेलरी को काफी पसंद किया।

डायमंड ज्वेलरी



हैवी ज्वेलरी को छोड अब लोगों का झुकाव डायमंड की तरफ जा रहा है। लोगों ने इस साल सँगाई तक में सोने की हैवी रिंग बनवाने की बजाए इसी तरह की डायमंड अगूंठियों को चुना है।

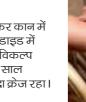
ईविल आई

इस साल लोगों को ऐसी ज्वेलरी काफी सुहाई, जिसमें ईविल आई यानी कि नजर से बचाने वाला ये स्टोन लगा हो।ये स्टोन आप मंगलसूत्र से लेकर किसी भी

ज्वेलरी में लगवा सकती हैं। ऑक्सीडाइड ज्वेलरी

चांदी की पायल

चाहे गले में कुछ पहनना हो या फिर कान में हैवी ईयररिंग डालने हों, ऑक्सीडाइड में आपको हर तरह की ज्वेलरी का विकल्प मिल जाता है। इसी के चलते इस साल महिलाओं में इसका काफी ज्यादा क्रेज रहा।





अगर बात करें पायलों की तो एक समय था, जब भारी-भारी चांदी की पायल पहनने का क्रेज था लेकिन

अब इस साल लडिकयों के साथ -साथ महिलाओं तक

अब समय बदल गया है।

 इसमें महत्वपूर्ण बात यह थी कि दो साल पहले जिल पंचायत में फिरोजाबाद का नाम चंद्रनगर के नाम से पास होने के बाद अब नगर निगम में भी फिरोजाबाद का नाम चंद्रनगर करने पर हरी झंडी दे दी गई।

परिवहन विशेष न्यूज फिरोजाबाद नगर निगम से प्रस्ताव पास. योगी सरकार से भी मिली मंजूरी

फिरोजाबाद का नया नाम चंद्रनग होने जा रहा है। गुरुवार को हुई नगर निगम कार्य समिति में नाम परिवर्तन के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई। प्रस्ताव को 12 में 11 सदस्यों का समर्थन मिला है।वहीं योगी सरकार से भी जिले का नाम बदलने को लेकर मंजूरी मिलने की खबर आ रही है। निगम कार्य समिति की बैठक गुरुवार को जीवाराम हॉल में हुई। निर्धारित समय 11 बजे से करीब आधा घंटा देरी से शुरू



www.parivahanvishesh.com

हुई कार्यसमिति की बैठक में रखे गए 17 में से भवन कर संशोधन संबंधी एक प्रस्ताव खारिज हो गया। निगम कार्यकारिणी की बैठक में शहर के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कर प्रस्तावों को पास किया गया। इसमें महत्वपूर्ण बात यह थी कि दो साल पहले जिला पंचायत में फिरोजाबाद का नाम चंद्रनगर के नाम से पास होने के बाद अब नगर निगम में भी फिरोजाबाद का नाम चंद्रनगर करने पर हरी झंडी दे दी गई। नाम परिवर्तन के विरोध में 12 में से कार्यकारिणी

के एक सदस्य सपा के पार्षद रेहान ने

विरोध किया। इसके साथ ही भवनों

सभी कार्यकारिणी के सदस्यों ने इसे खारिज कर दिया। नामांतरण पर लगने वाले शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को समिति की मंजूरी

कार्य समिति की बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में बनने वाले टॉयलेट निर्माण की लागत, शहर की साफ-सफाई, अतिक्रमण संबंधी प्रकरणों पर सदन में बहस भी हई। जिस पर नगर आयक्त घनश्याम मीणा एवं उप सभापति श्याम सिंह यादव को हस्तक्षेप करना पडा। वहीं

से होने वाले नवनिर्माण कार्यों से जुडे प्रस्तावों को भी अपनी मंजुरी दे दी। हालांकि उप सभापति व अन्य सदस्यों ने निर्माण कार्यों की गणवत्ता पर पैनी नजर रखने एवं गडबडी करने वाले ठेकेदारों पर सख्ती किए

जाने की बात कही। इन मुद्दों पर हुआ मंथन, मिला

- जलकल परिसर में रखीं महापरुषों की प्रतिमाएं उपयक्त जगह होंगी स्थापित।
- वार्ड व मोहल्ला में स्थापित निष्प्रोज्य हैंडपंप हटाए जाएंगे।
- शहर में बाजारों, गली और मुख्य सड़कों पर व्याप्त अतिक्रमण के विरुद्ध होगी
- 20 लाख रुपये तक की लागत वाले निर्माण कार्य टीएसी जांच से होंगे मुक्त।
- कोटला रोड, जलेसर रोड, गंज बाजार व अन्य जगहों पर आवासीय भवनों में बनीं दुकानों व प्रतिष्ठानों का होगा

• जलकल विभाग में पार्षद कक्ष बनाने व रात्रिकालीन सुरक्षा पिकेट का आश्वासन।

इन गड़बडियों पर तल्ख रहे पार्षदों के तेवर

- चनौरा खत्ताघर से प्रतिदिन लाखों रुपये का कुड़ा चोरी का
- स्मार्ट रोड निर्माण में मौरंग व बालू की जगह खपाई जा रही
- पार्षदों की सुनवाई नहीं करने वाले अफसरों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग।

डस्ट।

- उपसभपति व क्षेत्रीय पार्षद द्वारा कहे जाने के बावजूद सुहागनगर से तहसील सदर तक टॉयलेट निर्माण नहीं कराए
- डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को नामित संस्था के कार्यों की जांच को कमेटी बनाने की
- स्मार्ट रोड पर सीमेंट के साथ डस्ट इस्तेमाल की भी होगी

🗕 इस फैसले को भेदभावपूर्ण

बताते हुए एक दिसंबर को विरोध

यूपी- फिरोजाबादका नया नाम चंद्रनगर न्यायालय ने दुराचारियों को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड से किया दण्डित

🗕 पांच वर्ष का कारावास, तथा पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास होगा।

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

पुलिस मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन द्वारा की गयी लगातार प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप तीन अभियुक्तों को न्यायालय द्वारा दोषी करार देते हुए कारावास व अर्थदण्ड की सजा दी गयी। उल्लेखनीय है कि थाना कोतवाली सदर पर पंजीकृत पाक्सो एक्ट व दुराचार से सम्बन्धित प्रकरण में अभियुक्त दीपक बिन्द उर्फ गोपी पुत्र विजय बिन्द, सूरज बिन्द पुत्र मोती बिन्द तथा चन्दन बिन्द पुत्र रामविलास बिन्द समस्त निवासीगण ग्राम मीरनपुर सक्का थाना कोतवाली जनपदं गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्तों



को धारा 363 भादवि में अभियुक्त दीपक बिन्द उर्फ गोपी एवं सूरज बिन्द को पांच वर्ष का कारावास, तथा पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास होगा। धारा 366 भादवि में अभियुक्त दीपक बिन्द उर्फ गोपी एवं सूरज बिन्द को सात वर्ष का कारावास तथा दस हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित

पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास होगा। धारा 506 भादवि में समस्त अभिगण को एक वर्ष के कारावास से दण्डित किया गया। धारा 6 पाक्सो एक्ट में अभियुक्तों को आजीवन कारावास तथा 25000 गया। अर्थदण्ड न अदा करने पर एक वर्ष के अतिरिक्त कारावास से

संक्षिप्त खबरें

वोटर चेतना महा अभियान मतदाता अभियान में मनोयोग से लगे कार्यकर्ता-.अजीत रावत

सोनभद्र।भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन की नेतृत्व के अनुसार भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा वोटर चेतना अभियान के अंतर्गत काशी क्षेत्र जनपद सोनभद्र में शुक्रवार को भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के निदेशीनुसार ग्राम पंचायत जैतपुर

संख्या ४०४ पर वाटर चेतना अभियान के बावत १ दिसंबर से 3 दिसंबर तक लगातार नए मतदाताओं को जोडने का काम चल रहा है।

इसी क्रम में विधानसभा घोरावट बूथ संख्या ४०४ जैत गांव में पंचायत भवन पर बीएलओ के साथ मिलकर १० नए मतदाता को जोड़ने का काम भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर के ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत द्वारा किया गया। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत १ जनवरी २०२४ को १८ वर्ष पूर्ण कर रहा है

ऐसे नवयुवकों को लगातार जोड़ने का काम भारतीय जनता पार्टी कर रही है। अनुसूचित मोर्चा के कार्यकर्ता परे काशी क्षेत्र में लगातार वोटरों को जोड़ रहे

काशी क्षेत्र के अनुसूचित मोर्चा के अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि जिसपकार से कार्यकर्ता धरातल पर जाकर नए मतदाताओं को जोडने का काम

कर रहे हैं, 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प कार्यकताओं ने लिया है। इस कार्यक्रम में गौरीशंकर मंडल के अध्यक्ष राहुल सिंह पटेल, मंडल मंत्री मोहित सिंह ग्राम प्रधान अमित कुमार, कनौजिया, आशा विश्वकर्मा, तारा देवी, संतोष भारती, अभिषेक पाल, राजन कुमार, संजय पासवान आदि कार्यकर्ता

शादीशुदा भाई अनुकंपा नियुक्ति का हकदार नहीं, पीएसी में तैनात ड्राइवर के भाई का दावा खारिज

 टलील थी कि विमला टेवी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बहन को भाई की अनुकंपा नियुक्ति का हकदार माना है

परिवहन विशेष न्यूज प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अविवाहित मृतक कर्मचारी के शादीशुदा भाई को अनुकंपा नियुक्ति देने से इन्कार कर दिया। कहा कि शादीशुदा भाई अविवाहित मृतक कर्मचारी का आश्रित होने का दावा नहीं कर सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति अजीत कुमार की अदालत ने याची संजय कुमार याचिका को खारिज करते हुए सुनाया। याची ने पीएसी गोरखपुर में ड्राइवर के पद पर तैनात रहे अपने मृतक अविवाहित भाई के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति के दावे



चुनौती दी थी। याची के अधिवक्ता दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा विमला देवी के प्रकरण में स्थापित विधि व्यवस्था के आलोक में याची को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की थी। दलील थी कि विमला देवी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बहन को भाई की अनुकंपा नियुक्ति का हकदार माना है तो शादीशुदा भाई के साथ लैंगिक भेदभाव न कर उसे

हकदार माना जाना चाहिए। कोर्ट ने याची के दावे को खारिज करते हुए कहा कि अविवाहित मृतक कर्मचारी का आश्रित केवल अविवाहित भाई, बहन, माता और पिता को ही माना जा सकता है। वर्तमान मामले में याची शादीशुदा होने के साथ ही मृतक कर्मचारी का बड़ा भाई है। इसलिए उसे मृतक भाई की अनुकंपा नियुक्ति का हकदार नहीं माना जा

में केंद्रीय कार्यालय बंद कराने का निर्णय लिया है। परिवहन विशेष न्यूज वाराणसी बीएचयू में 16 दिसंबर को दीक्षांत

समारोह में उपाधि वितरण को लेकर नया विवाद सामने आया है। इस बार विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कॉलेजों के लिए अलग-अलग समारोह होंगे। ऐसा पहली बार होगा जब कॉलेजों के विद्यार्थियों को संकाय, संस्थान के विद्यार्थियों संग उपाधियां नहीं मिलेंगी। इसको लेकर विद्यार्थियों की नाराजगी बढती जा



बीएचयू दीक्षांत समारोह में कॉलेजों के डिग्री का

विवाद गहराया, पढ़े विरोध पर क्यों उतरे छात्र?

में केंद्रीय कार्यालय बंद कराने का निर्णय लिया है। इसमें विश्वविद्यालय के साथ ही कॉलेजों के छात्र भी शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के 103वें दीक्षांत समारोह का मुख्य 9.30 बजे से होगा। इसके बाद चार अलग-अलग जगहों का चयन

बताते हुए एक दिसंबर को विरोध संकायों, संस्थानों में सर्वोच्च अंक पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पदक, उपाधियां दी जानी है। इस बार समारोह में कॉलेजों के विद्यार्थियों को संकायों से अलग उपाधि देने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय आयोजन स्वतंत्रता भवन में सुबह से जुड़े चार कॉलेजों को परिसर में

यह फैसला खटक रहा है। बैठक में हुआ था फैसला, प्राचार्य भी रहे शामिल परीक्षा नियंता प्रो. एनके मिश्र का कहना है कि इस मामले में पिछले दिनों कॉलेजों के प्राचार्य के साथ बैठक हुई थी। इसमें उन्हें अलग से समारोह की जानकारी दी गई थी। आम तौर पर दीक्षांत में मुख्य समारोह के बाद होने वाले आयोजन में रात हो जाती थी। विद्यार्थियों की सहूलियत के लिए अलग आयोजन कराने का प्रस्ताव रखा गया था। चार कॉलेजों के लिए परिसर में चार अलग जगह भी देने को कहा गया था। बैठक में प्राचार्यों ने लिखित सहमति भी दी थी। अब विरोध किस बात का हो रहा है, यह समझ से परे है। विद्यार्थियों के

करने को कहा गया है। छात्रों को

बांसगांव सांसद और विधायक के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, गांव में लगाए पोस्टर्स

 पिछले पांच साल के दौरान क्षेत्र में ना तो सांसद निधि से कोई काम हुआ और ना ही विधायक ने जनता की समस्याओं का समाधान किया

परिवहन विशेष न्यूज गोरखपुर

गांव में विकास कार्य नहीं होने से नाराज जगदीशपुर भलुवान के ग्रामीणों ने बांसगांव सांसद कमलेश पासवान और विधायक विमलेश पाासवान के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही दोनों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध संबंधी पोस्टर भी लगा दिए। बृहस्पतिवार शाम ग्रामीणों ने बांसगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गगहा क्षेत्र के जगदीशपुर भलुवान गांव में भाजपा विधायक



विमलेश पासवान और उनके भाई सांसद कमलेश पासवान के प्रवेश को प्रतिबंधित करने वाले पोस्टर को लेकर भगवान चौराहे पर प्रदर्शन किया। ग्रामीण हाथ में बकायदा टूटी सड़कों की तस्वीर वाले पोस्टर और फ्लैक्स लिए रहे। ग्रामीणों ने कहा कि जीतने के बाद से विधायक विमलेश पासवान और उनके भाई सांसद कमलेश

पासवान ने कभी ग्रामीणों की सुधि नहीं ली। पिछले पांच साल के दौरान क्षेत्र में ना तो सांसद निधि से कोई काम हुआ और ना ही विधायक ने जनता की समस्याओं का समाधान किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति किसी एक गांव की नहीं बल्कि पूरे बांसगांव क्षेत्र में की है। सेल टैक्स अधिवक्ता एवं जगदीशपुर भलुआन

बहुजन समाज

पार्टी की जिला

स्तरीय बैठक

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी

आज

निवासी अमित कुमार सिंह ने कहा लोगों ने दूसरी बार विधायक चुना। उन्होंने भी क्षेत्र को कुछ नहीं दिया और कोई काम नहीं कराया। कुछ ऐसा ही हाल बांसगांव सांसद उनके भाई कमलेश पासवान का भी है। इसलिए ऐसे पोस्टर लगाए गए हैं जिसमें विधायक-सांसद का गांव में प्रवेश निषेध किया गया है। सोशल मीडिया पर भी खुब हो रही चर्चा सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सांसद और विधायक के गांव में आने पर प्रतिबंध संबंधी बैनर और प्रदर्शन की पोस्ट शेयर की है। लोग कमेंट कर रहे कि काफी लंबे समय से ग्रामीण पीने के पानी और टटी सडकों से बेहाल हैं। यहां पीने का पानी नहीं है। सड़क खराब हैं, नालिया नहीं हैं।

शराब पीने का हुआ अफसोस तो युवक ने लगाई फांसी, पूरे शरीर पर परिजनों का नाम लिखकर मांगी माफी

🗕 ग्रामीणों की सूचना पर मेहनाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा

परिवहन विशेष न्यूज आजमगढ़

मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के ओहनी गांव में शक्रवार की सबह पेड पर लटका हुआ एक युवक का शव मिला। मृतक के पूरे शरीर पर परिजनों का नाम लिख कर माफी मांगी गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया।घटना से परिजनों में कोहराम

ओहनी गांव के ग्रामीण शुक्रवार की सुबह सो कर उठे और गांव के सिवान की तरफ गए तो पेड़ पर एक



युवक की लाश लटकती देखा। मेहनाजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। मृतक की पहचान मनोज राजभर 35 निवासी लहुंवा बसहीकला के रूप में की गई।

मृतक अपने पूरे शरीर पर पत्नी व बच्चें का नाम लिखा हुआ था। इसके साथ ही उसने यह भी

जिसके चलते परिवार हमेशा परेशान रहता है। वह अपने पत्नी व बच्चों से इसके लिए माफी भी लिख कर मांगा हुआ है।

परिजानों को घटना की सूचना देने के साथ ही पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। घटना से परिजनों में

काशी के बंद १४ सिनेमाघरों का होगा कायाकल्प, एक ही छत के नीचे मिलेगी पार्किंग-शॉपिंग की सुविधा

🗕 कहा गया है कि बंद पड़े सिनेमाघरों को तोडकर सिनेमाहाल सहित व्यवसायिक कॉप्लेक्स अन्य निर्माण की अनुमति दी जाए। स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी और वीडीए उपाध्यक्ष को सक्षम अधिकारी बनाया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज वाराणसी

काशी के बंद चौदह सिनेमाघरों के दिन बहुरेंगे। कायाकल्प होने से एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं मिलेंगी। इनमें प्राची, मजदा, साजन, लक्ष्मी, अभय, यमुना, शिल्पी, नटराज, छविमहल, मजदा, सुशील, कामाक्षी, आनंद, गंगा पैलेस सिनेमाघर शामिल हैं। जो कई वर्ष से बंद हैं। इस संबंध में शासन की ओर से पत्र जारी किया गया है। कहा गया है कि बंद पड़े सिनेमाघरों को तोड़कर सिनेमाहाल सहित व्यवसायिक कॉप्लेक्स अन्य निर्माण की अनुमति दी जाए। स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी और वीडीए उपाध्यक्ष को सक्षम अधिकारी बनाया गया है। जिनकी देखरेख में बंद सिनेमाघरों का कायाकल्प होगा। सिनेमाघरों की जमीन का इस्तेमाल शॉपिंग कॉप्लेक्स, पार्किंग और अन्य कार्यों में किया जाएगा। घनी



के बंद होने से यह जर्जर हालत में हैं। नए निर्माण से सरकार को राजस्व मिलेगा। सिनेमा एसोसिएशन से भी अनुरोध किया गया है कि वे सहयोग करें। सिनेमाघर से जुड़े मनीष तिवारी ने बताया कि 2006 में लखनऊ के बाद ईस्टर्न यूपी का पहला मॉल आईपी सिगरा खुला था। इसके बाद आईपी विजया, जेएचवी और पीडीआर खुले। कन्हैया चित्र मंदिर को रेनोवेट कर केसीएम खुला, लेकिन सिंगल स्क्रीन होने के कारण कुछ दिनों बाद बंद हो गया। इसके अलावा चौदह सिनेमाघर बंद चल रहे हैं। सिनेमा एसोसिएशन की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही थी। शासन से शर्त थी कि सिनेमाघर की जमीन पर सिनेमाघर के बाद ही कोई दूसरा इस्तेमाल किया जाए। इस नाते

जितने भी सिनेमाघर के मालिक थे,

आबादी के सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों उन्होंने घाटे का सौदा जानकर इसे बंद कर दिया

कभी शोले और नदिया के पार जैसी फिल्मों के लिए लगती थी कतारें

बनारस के सिनेमाघरों में शोले. नदिया के पार, निकाह, आंखें जैसी फिल्मों के लिए लंबी कतारें लगती थी। दस रुपये के टिकट के लिए तीस-तीस रुपये लोग अदा कर फिल्में देखते थे। टिकटों के लिए मारामारी रहती थी। जिस थाना क्षेत्र में सिनेमाघर थे। वहां से पुलिस की ड्यूटी लगाई जाती थी। कई बार टिकट काउंटर पर पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ा था, लेकिन डिजिटल युग आने से सिनेमाघरों पर ताले लटक गए। लोग मोबाइल और मॉल में फिल्म देखने

शुक्रवार को कहा कि, बहन कुमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा के निर्देश पर लखनऊ चलें कार्यक्रम के तहत

परम पूजनीय बोधिसत्व डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस 06 दिसम्बर 2023 को डा० अंबेडकर स्मारक स्थल लखनऊ में आयोजन की तैयारी के लिए

बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय बैठक 02 अक्टूबर 2023 को समय दोपहर 12:00 बजे स्थान डा० अंबेडकर भवन पुसौली में आयोजित किया गया है।

एमएलसी एवं मुख्य मण्डल प्रभारी मिजार्पुर मंडल, गुड्खू राम साहब मुख्य मंडल प्रभारी मिजापुर एड ० शशिभूषण साहब मुख्य

जिसमें शिवबोध राम पूर्व

मण्डल प्रभारी मंडल प्रभारी का आगमन हो रहा है। इसमें मंडल जोन प्रभारी गण, मंडल प्रभारी गण, जिला कमेटी एवं विधानसभा कमेटी, बामसेफ, बीवीएफ कमेटी, पूर्व पदाधिकारी

गण की उपस्थिति अनिवार्य है।

केशव प्रसाद मौर्य इस मुद्दे को बार-बार क्यों उठा रहे 🗕 पार्टी के कुछ नेताओं का जनपद सोनभद्र के बी0 सागर ने

मानना है कि आम चुनावों के बाद कृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन हो सकता है क्योंकि यह लोकाचार और पार्टी कैडर के भावनाओं से मेल खाता है।

परिवहन विशेष न्यूज

लोकसभा चुनाव से पहले मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि एक बार फिर से सुर्खियों में आता दिख रहा है।इसको लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव पर वार कर रहे हैं। भाजपा का साफ तौर पर कहना है कि यह मुद्दा संसदीय चुनावों से पहले उसके एजेंडे में नहीं है।

पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि आम चुनावों के बाद कृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन हो सकता है क्योंकि यह लोकाचार और पार्टी कैडर के भावनाओं से मेल खाता है।

2021 के यूपी विधानसभा का खून बहाने वाली सपा भगवान

मिल रहा संकेत



क्या मथुरा है बीजेपी का अगला एजेंडा, आखिर

चुनावों से पहले, जब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण पहले से ही चल रहा है, मौर्य ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि मथुरा में एक मंदिर भाजपा के एजेंडे में अगला है। इस बार उन्होंने यादव को चुनौती दी है कि वे स्पष्ट करें कि क्या वह मथुरा में कृष्ण मंदिर चाहते हैं।हिंदू दक्षिणपंथियों के लिए, मथुरा और वाराणसी (जिसे काशी के नाम से भी जाना जाता है) में मंदिर विवाद एक बड़ी वैचारिक परियोजना का हिस्सा हैं, जैसा कि नारे में कहा गया है, अयोध्या तो बस झांकी है, काशी, मथुरा बाकी है।

केशव प्रसाद मौर्य का ट्वीट

एक एक्स पोस्ट के जरिए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अल्पसंख्यकों के वोट की खातिर अपने हिंदुओं

श्रीकृष्ण के वंशजों का वोट चाहती परंतु श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर नहीं चाहती। सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव इस मामले में अगर श्री आजम खान और उनके समाज के दबाव में नहीं हैं तो अपना रूख स्पष्ट करें। यह पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मानी जाने वाली मथुरा यात्रा की पृष्ठभूमि में आया है, जहां उन्होंने कहा था, मथुरा और ब्रज भी विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहेंगे। वह दिन दूर नहीं जब भगवान को ब्रज क्षेत्र में और भी अधिक दिव्यता के साथ देखा जाएगा।

मोहन भागवत का रुख

जब 9 नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया, तो आरएसएस सरसंघचालक मोहन

भागवत से जब पूछा गया कि क्या उनका संगठन वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद विवाद और मथुरा में शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि विवाद को उठाएगा। तब उन्होंने कहा था कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण संघ इस आन्दोलन (अयोध्या) से एक . संगठन के रूप में जुड़ा। यह एक अपवाद है। अब हम फिर से मानव विकास से जुड़ेंगे और यह आंदोलन हमारे लिए चिंता का विषय नहीं

मथुरा विवाद अदालतों में लंबित

उत्तर प्रदेश के एक अन्य भाजपा नेता ने कहा, यह पार्टी की आधिकारिक लाइन नहीं है लेकिन यह कैडर के लोकाचार और भावनाओं से मेल खाती है। उन्होंने कहा कि एक बार यह मुद्दा सामने आने पर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य में भारी बदलाव आ सकता है क्योंकि इसका असर सपा के मुस्लिम-यादव मूल समर्थन आधार

पर पड़ सकता है। मथुरा विवाद विभिन्न अदालतो में लंबित है। वकील महेंद्र प्रताप सिंह और राजेंद्र माहेश्वरी ने स्थानीय अदालत में दायर याचिका में दावा किया है कि मुगल बादशाह औरंगजेब ने प्राचीन केशवदेव मंदिर को ध्वस्त कर उसकी जगह ईदगाह का निर्माण कराया था।

बिजली के मीटर के साथ की छेड़छाड़ तो सॉफ्टवेयर

इससे लोगों को अधिक बिजली बिल

आने की समस्या से छुटकारा मिलेगा

और जितना आप रिचार्ज कराएंगे,

उतना ही बिल आपको चुकता करना

होगा। ऐसा करने वाले उपभोक्ताओं

को बिजली निगम की तरफ से 5

प्रतिशत छूट भी दी जा रही है। मार्ट

मीटर में क्या है खास स्मार्ट मीटर में

प्रीपेड की सुविधा होगी, जिसके लिए

आपको फोन से रिचार्ज करना होगा।

स्मार्ट मीटर में बिना रिचार्ज किए आप

बिजली नहीं जला पाएंगे। मोबाइल

संक्षिप्त खबरें

लद्यस्य के पर्व उपराज्यपाल के साथ 2.28 लाख रुपये की धोखाधड़ी, एसएमएस आने पर मामले की हुई जानकारी

दिल्ली-एनसीआर पूर्व उपराज्यपाल ने थाना सेक्टर-126 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका एसबीआई दिल्ली के निर्माण भवन स्थित शाखा में बैंक अकाउंट है। उनके अकाउंट में इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से तीन बार में दो लाख 28360 रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ। साइबर ठगों ने नोएडा के सेक्टर-128 में स्थित कालिस्पो कोर्ट टावर-1 जेपी विश टाउन सोसाइटी में रह रहे देश के पूर्व रक्षा सचिव तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पूर्व उपराज्यपाल राधाकृष्ण माथुर को उँगी का शिकार बनाया है। पूर्व उपराज्यपाल ने थाना सेक्टर-126 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका एसबीआई दिल्ली के निर्माण भवन स्थित शाखा में बैंक अकाउंट है। उनके अकाउंट में इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से तीन बार में दो लाख 28360 रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ। उनके खाते से पहले १,३४,९९९ रुपये, दूसरी बार में 33,564 रुपये तथा तीसरी बार में 59,800 रुपये निकाले गए। बैंक से ई-मेल और एसएमएस आने पर उन्हें अपने साथ हुई घोखाघड़ी के बारे में पता चला है। नोएडा पुलिस शिकायत लेकर मामले में शिकायत लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

उत्तरकाशी की टनल खोदने वाले रैट माइनर्स से केजरीवाल ने मुलाकात की, आतिशी और सौरम मारद्वाज रहे मौजूद

दिल्ली-एनसीआर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को उत्तरकाशी सुरंग बचाव में शामिल रैट माइनर्स से मुलाकात की।ये माइनर दिल्ली जल बोर्ड के लिए काम करते हैं।इस दौरान दिल्ली की मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंदं केजरीवाल ने उत्तरकाशी की टनल खोदने वाले रैट माइनर्स से मुलाकात की है। उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल खोदकर ४१ श्रमिकों को बचाने वालों में दिल्ली जल बोर्ड के लिए पाइपलाइन/ सीवर डालने वाले श्रमिक भी हैं, जो दिल्ली में रहते हैं। इस दौरान दिल्ली की मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद दिल्ली जल मंत्री आतिशी ने प्रेस वार्ता की और उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आप यहां देख रहे हैं, वे सालों से दिल्ली जल बोर्ड की टीम से जुड़े हैं और मैन्युअल खुदाई करते हैं।इन लोगों ने अपनी मशीनरी और मेहनत के साथ, सिल्कयारा सुरंग में फंसे हुए ४१ श्रमिकों तक बोरिंग करके पाइप पहुंचाया।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज पूरी टीम को सम्मानित किया।

इस साल १० माह में ट्रेनों पर ३६३ बार पत्थर फेंके, आरपीएफ ने इस सिलसिले में २३० लोगों को किया गिरफ्तार

दिल्ली-एनसीआर इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के शुरूआती 10 माह में रेलगाड़ियों पर हैरतअंगेज तरीके से 363 बार पत्थरबाजी की गई। सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन यह हकीकत है कि दुरदराज इलाकों की तरह राजधानी में रेलगाडियां पत्थरबाजों के निशाने पर रहती हैं।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष के शुरूआती 10 माह में रेलगाड़ियों पर हैरतअंगेज तरीके से 363 बार पत्थरबाजी की गई। दिल्ली में फैले रेलवे के जाल की बदौलत रेलगाड़ियां राजधानी के कई इलाकों से गुजरती हैं।शरारती तत्व मौका मिलते ही इनको अपना शिकार बना रहे हैं।आंकड़ों पर गौर करें तो रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस वर्ष पत्थरबाजी के संबंध में 363 मामले दर्ज कर 230 लोगों को गिरफ्तार किया है।इन हमलों के मामले में कई बार नाबालिगों को भी पकड़ा जाता है, लेकिन बाद में उम्र का फायदा उठा कर कार्रवाई से बच जाते हैं।इन हमलों में दर्जनों लोग घालय भी हुए हैं।लेकिन आरपीएफ के रिकॉर्ड में इस वर्ष छह लोग घायल हुए हैं।आरपीएफ के अधिकारियों का कहना है कि चलती ट्रेनों पर पत्थर फेंकने के कई कारण सामने आए हैं। कई मामलों में पटरियों के पास खेल रहे बच्चे गुजरने वाली ट्रेनों पर पत्थर फेंकते हैं।कई मामलों

पांच साल में तैयार होगा सेक्टर-१४२ से बोटेनिकल गार्डन मेट्रो कॉरिडोर

में शराबी और अपराधी भी पत्थर

फेंकते हैं।

नोएडा।एक्वा लाइन मेट्रो का विस्तार कर नोएडा सेक्टर-१४२ से बोटेनिकल गार्डन तक का 11.56 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनाया जागा।पांच साल में बनकर तैयार होने वाले कॉरिडोर की लागत करीब २२५४.३५ करोड़ होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएमआरसी) को सौंप दी है। अब इस कॉरिडोर के आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।डीपीआर के मुताबिक इस कॉरिडोर से नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली मेट्रों के नेटवर्क यानी एक्वा लाइन, ब्लू लाइन और मजेंटा लाइन आपस में जुड़ जाएंगे।

डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की पहली वारदात, इंजीनियर युवती से ऐंट लिए ११ लाख

🛡 उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड रुपये निकाले गए हैं।

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा शहर में डिजिटल अरेस्ट कर ठगी की पहली वारदात हुई है। साइबर जालसाजों ने आईटी इंजीनियर यवती को आठ घंटे तक डराकर-धमकाकर घर में अकेले रहने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान पीड़िता को परिजनों या दोस्तों से बात करने की इजाजत नहीं दी गई। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 11.11 लाख रुपये की ठगी कर ली। युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर साइबर क्राइम थाने ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस पड़ताल में डिजिटल अरेस्ट कर वारदात का खुलासा हुआ। सेक्टर-34 स्थित धवलगिरी अपार्टमेंट निवासी आईटी इंजीनियर सीजा टीए के पास 13 नवंबर को अंजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले स्काइप कॉल से युवती की निगरानी

🗕 शुरूआत में दो हजार बस स्टापों

को अपने गंतव्य तक ले जाने

वाली बस का पता लगाने में

दिल्ली-एनसीआरशुरूआत में दो

हजार बस स्टापों पर लगाया जाएगा।

इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक

ले जाने वाली बस का पता लगाने में

आसानी होगी। साथ ही इससे यह भी

पता चल सकेगा की बस के किस रूट

पर मेट्रो स्टेशन है। राष्ट्रीय राजधानी में

डीटीसी और कलस्टर बसों से रोजाना

यात्रा करने वालों की संख्या लाखों में

हैं। यात्रियों के सुविधा के लिए दिल्ली

भर में 2200 के करीब बस स्टाप हैं।

लेकिन यहां पर नए यात्रियों को सबसे

परिवहन विशेष न्यूज

आसानी होगी।

परिवहन विशेष न्यूज

पर लगाया जाएगा। इससे यात्रियों



इंडिया (ट्राइ) का कर्मचारी बताया। कॉल करने वाले ने कहा कि युवती के आधार कार्ड का इस्तेमाल कर सिम कार्ड खरीदा गया है जिसका प्रयोग मनी लॉन्डिंग में हुआ है। उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड़ रुपये निकाले गए हैं। कॉलर ने आगे की जांच का हवाला देते हुए कॉल ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद स्काइप कॉल कर कथित रूप से एक तरफ मुंबई पुलिस, दूसरी तरफ क्राइम ब्रांच और कस्टम के अधिकारी बन यवती को डराया धमकाया गया। करीब आठ घंटे तक ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी ऑफ कर बंधक बनाए रखा गया। इस दौरान

बस स्टॉप पर लगने लगे रूट मैप

उनके गंतव्य तक कौन से नंबर की

बस जाएगी। यात्री इसे जानने के लिए

परेशान होते रहते हैं। यह समस्या अब

हल हो जाएगी। दो हजार के करीब

बस स्टापों पर बसों का रूट मैप लगाने

का काम शुरू हो चुका है। इससे नए

यात्रियों को सभी बसों के रूट और

उनके नंबर की जानकारी दी गई है।

दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रकर कारपोरेशन

लिमिटंड (डीटीआईडीसी) के

अधिकारियों ने बताया कि रूट मैप

लगाने का काम शुरू कर दिया है।

200 से अधिक बस स्टापों पर इसे

लगाया जा चुका है।शुरूआत में दो

हजार बस स्टापों पर लगाया जाएगा।

इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक

ले जाने वाली बस का पता लगाने

में आसानी होगी। साथ ही इससे यह

भी पता चल सकेगा की बस के किस

रूट पर मेट्रो स्टेशन है। इस योजना के

लिए परिवहन विभाग ने डीएमआरसी

युवती से कई तरह के सवाल पूछे गए। किसी से बात करने की अनुमति नहीं दी गई। जालसाजों ने आठ घंटे बाद खाते में 11.11 लाख रुपये ट्रांसफर कराने के बाद कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया। इस मामले में साइबर क्राइम थाने में पिछले सप्ताह मुकदमा दर्ज किया गया था। साइबर क्राइम थाने की प्रभारी निरीक्षक रीता यादव के मुताबिक जालसाजों ने पुलिस की वर्दी पहन कर स्काइप कॉल कर युवती को डराया था। क्या है डिजिटल अरेस्ट डिजिटल अरेस्ट में मोबाइल या लैपटॉप से स्काइप पर वीडियो कॉलिंग कर या अन्य एप के

के साथ समझौता किया है। दिल्ली

सरकार इस योजना पर लगभग 27

करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसमें

1400 नए बस स्टॉप भी बनाए जाएंगे

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान

बस स्टाप बनाए जाएंगे। नए बनने

वाले बस स्टाप आधुनिक होंगे। इनमें

लिए पैनिक बटन भी लगाया जाएगा।

सुविधा भी होगी जो बस आने वाली

होगी उसकी अनाउंसमेंट की जाएगी।

से दूर नहीं होने दिया जाता है। यानी वीडियो कॉल के जरिये आरोपी को उसके घर में या जहां वो है वहीं एक तरह से कैद कर दिया जाता है। इस दौरान पीड़ित न तो वह किसी से बात कर सकता है और न कहीं जा सकता है। एप डाउनलोड कराकर भी रखी जाती है निगरानी डिजिटल अरेस्ट का इस्तेमाल साइबर जालसाज करते हैं। जालसाज पुलिस क्राइम ब्रांच, सीबीआई, ईडी के अधिकारी बनकर एप डाउनलोड कराकर वर्चुलअ जांच का झांसा देते हैं। पीड़ित से पुलिस के अंदाज में पूछताछ की जाती है। जिसके बाद मनी लॉड्रिंग, मानव तस्करी, हवाला कारोबार से लेकर इग्स तस्करी में शामिल होने का आरोप लगाकर लाखों की वसूली की जाती है। आरोपी न तो किसी से मदद मांग सकता है और न किसी को अपनी कहानी बता पाता है। इसमें जालसाजों ने छात्रा को एप के माध्यम से 17 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा था। छात्रा को मानव तस्करी के मामले में फंसाने का डर दिखाया गया था और स्काइप एप से लॉगआउट नहीं होने दिया गया था।

बेटी को ससुराल से दिल्ली में सफर करना होगा और आसानः निकालने के विवाद में की थी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष की हत्या

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के फार्म हाउस में 27 नवंबर की रात आरडब्ल्यू अध्यक्ष अशोक यादव की समधी शेखर यादव ने बेटी को ससुराल से निकालने को लेकर हए विवाद में हत्या की थी। अशोक रूट मैप के साथ ही उसके तीन वर्ष यादव के बेटे और शेखर की बेटी के बीच मुकदमेबाजी कोर्ट में चल रही थी। जिसको लेकर पंचायत में समझौता हो गया था और न्यायालय में फैसला होना में दिल्ली में 2200 के करीब बस बाकी था। अमर उजाला ने 29 नवंबर के स्टाप है। इसके साथ ही 1400 नए अंक में ही ह्यन्यायालय में फैसले से पहले कर दी हत्याह्न शीर्षक से पूरे मामले का समाचार प्रकाशित किया था। अब पुलिस महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा के ने अशोक यादव के समधी प्रोपर्टी डीलर शेखर यादव को गिरफ्तार कर वारदात दिव्यांगों के लिए रैंप की भी सुविधा का खुलासा किया है। डीसीपी सुनीति ने होगी। इसके साथ ही अनाउंसमेंट की बताया कि बिसरख कोतवाली क्षेत्र के फार्म हाउस में सोमवार रात होशियारपुर गांव निवासी विनोद यादव की बेटी की किसी भी तरह की आपात काल की शादी थी। शादी में विनोद यादव पक्ष स्थिति में नए बनने वाले बस स्टाप के बुलावे पर उनके दोस्त आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अशोक यादव और हापुड़ निवासी

पर फोन की सुविधा भी मुहैया कराई एनकाउंटर से बचने के लिए ख़द को मारी गोली

फरीदाबाद हरियाणा के फरीदाबाद में पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया इनामी बदमाश कानुनी दांव पेच बखुबी जानता

है। ख़ुद को घिरा हुआ देख आरोपी ने पहले अपनी कनपटी पर पिस्टल लगाकर पुलिस को पीछे हटने के लिए कहा, ताकि पुलिस दबाव में आ जाए और वह फरार हो सके। एसटीएफ टीम पीछे नहीं हटी तो आरोपी ने खुद ही अपने पैर में गोली मार ली और फैक्टरी में लगे सीसीटीवी के सामने है। आरोपी गैंगस्टर काला जठेड़ी को जाकर गिर गया। आरोपी इतना शातिर अपना आदर्श मानता है। साल 2021 है कि पलिस कैमरे के सामने नीचे में मनीष की मुलाकात नीमका जेल में गिरे हुए बदमाश का एनकाउंटर नहीं बंद काला जठेड़ी से हुई थी। मनीष करेगी। घायल होने पर उसे अस्पताल साल 2020 में एसजीएम नगर में की गई हत्या का मामले में नीमका बंद था। ले जाया जाएगा और तय समय में ही अदालत में पेश करना पड़ेगा। आरोपी ज्ञानेंद्र ने दिया था खुला चैलेंज, हथौड़ों कुछ माह पहले पल्ला इलाके में इसी से पीटकर उतारा मौत के घाट पुलिस तरह हवाई फायर कर पलिस को चकमा रिकॉर्ड के मुताबिक मनीष पर पलवल, देकर भागने में कामयाब हो गया था। गुरुग्राम, फरीदाबाद के थानों में मारपीट, आरोपी को बीके अस्पताल से प्राथमिक हत्या, हत्या का प्रयास, लूटपाट आदि के करीब 14 मामले दर्ज हैं। आरोपी उपचार के बाद दिल्ली रेफर किया गया

के मुताबिक पलवल निवासी ज्ञानेंद्र उर्फ भोला नाम के युवक ने उसे खुला चैलेंज दिया था। 12 अप्रैल को ज्ञानेंद्र दोस्तों के साथ सोहना के लाखवास गांव स्थित एक फार्म हाउस में पार्टी करने गया था। मनीष अपने साथियों के साथ वहां गया और ज्ञानेंद्र को खेतों में घेर लिया। आरोपियों ने लाठी और हथौडों से पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। लोगों में अपना भौकाल बनाने के लिए आरोपियों ने उसकी पिटाई का वीडियो

था। मृतक के भाई की शिकायत पर पलिस ने भारत असावता. मनीष. रोहित. अजय बेहरोला, आजाद सोहना, ललती गुणनिका सहित कई लोगों के खिलाफ पुलिस 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।एक युवक की हत्या करने की फिराक में पल्ला आया था मनीष सूत्रों के मुताबिक आरोपी मनीष अपने एक अन्य साथी के साथ पल्ला इलाके में एक युवक की हत्या करने की फिराक में था। आरोपी के पास 30 एमएम की पिस्टल व अन्य हथियार थे। दसरा आरोपी पलिस की भनक लगते ही मौका देखकर भाग निकला। पलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है कि वह किसकी हत्या करने आया था। हथियार कहां से लाया और किसने यहां छिपने में मदद की थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में लगी है।

से छेड़छाड़ करने की कोशिश की है। शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है। एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद, ग्रेटर फरीदाबाद एवं बल्लभगढ़ डिविजन में पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। अब तक सबसे ज्यादा मीटर लगाने का काम एनआईटी डिविजन में किया गया है। एनआईटी डिविजन में अब तक 38 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने प्रीपेड स्मार्ट बिजली मीटर के माध्यम से उत्पन्न बिजली बिल पर पांच प्रतिशत की छूट की पेशकश की है। यानी स्मार्ट मीटर में

तरह के मामलों से बचा जा सकता है। यदि कोई खुद को पुलिसकर्मी बताकर आपका विश्वास जीतने या डराने का प्रयास करे तो उसको क्रॉस चेक जरूर करना चाहिए। ठगी का शिकार वही लोग होते हैं जो इन लोगों पर आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं या डर जाते हैं। रश्तेदार को गिरफ्तार कर लेने के नाम पर ठगी : अंबेडकर कालोनी ब्रिजवासन के रहने वाले दिपांशु मीना की दादी भोली देवी के पास एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप पर कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा आपके रिश्तेदार शिव प्रकाश को हमने पकड़ा है। वह आपराधिक मामले में शामिल है। उसे छोड़ने के बदले भोली देवी से रकम की डिमांड की गई। रुपये न देने पर शिव प्रकाश को जेल भेजने का डर दिखाया गया। पीड़िता पर एक पेटीएम नंबर पर रकम ट्रांसफर करने का दबाव बनाया गया। पीडिता ने परेशान होकर दिए गए पेटीएम नंबर पर 55 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में दोबारा से रुपये मांगने पर पीड़िता को शक हुआ। बाद में मामले

कहना है कि सजग रहकर ही इस थाने में की गई। रोहिणी जिला पुलिस उपायक्त बनकर की गई ठगी बलजीत रंधावा (59) परिवार के साथ स्वरूप नगर में रहते हैं। पिछले दिनों उनके फेसबुक पर डीसीपी रोहिणी के नाम से बनी एक आईडी का सुझाव आया नौ नवंबर को बलजीत ने उस पर फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट भेज दी। अगले ही दिन उसे स्वीकार कर लिया गया इसके बाद दोनों के बीच चैटिंग हुई। खुद को डीसीपी बताने वाले शख्स ने पीड़ित को बताया उनका दोस्त आशीष सीआरपीएफ में अफसर है। उनके दोस्त का ट्रांसफर हो गया है। वह अपने घर का सामान सस्ते दाम पर बेचना चाहता है। पीडित से कहा गया कि आशीष आपको थोड़ी देर में कॉल करेगा। फोन आने पर आशीष ने डीसीपी रोहिणी का हवाला दिया। बाद में फर्नीचर बेचने की बात की। पीडित को व्हाट्सएप पर फर्नीचर की फोटो भी भेज दी गई। बलजीत ने 75 हजार रुपये में सौदा कर लिया। फर्नीचर का आधा पेमेंट एडवांस में देने की बात हुई। पीड़ित ने आरोपी के बैंक खाते में रकम भेज दी। इसके बाद आरोपी ने पीडित से कोई संपर्क नहीं किया। न तो

से ही पता होगा कि कितना बिजली

बिल खपत करना है। इसका फायदा

ये है कि अगर आप बाहर जाते हैं तो

आपको एक भी रुपये नहीं देना होगा

को लोग आसानी से बंद कर सकते थे

पुराने मीटर में छेड़छाड़ करना काफी

आसान था। , 100 यूनिट बिजली जलाने पर मीटर में 10 यूनिट रीडिंग

ही होता था। ऐसे में बिजली कंपनी को

काफी नुकसान होता था। कई लोग

अपने मौटर में आसानी से सर्किट लगा

पुराने मीटर में क्या था

खोल देगा पोल, स्मार्ट मीटर में क्या है खास फरीदाबाद अब आपने मीटर के साथ छेड़छाड़ की तो तुरंत पकड़ में आ जाएंगे। मीटर में चिप लगाकर मीटर को स्लो करने वाले अब सावधान हो जाएं। शहर में लगाए जाने वाले स्मार्ट मीटर में ऐसा सॉफ्टवेयर लगाया गया है कि जैसे ही मीटर के साथ छेड़छाड़ पर यह अपनी पुरी स्पीड से चलने लगेगा। इससे आप तुरंत पकड़ में आ जाओगे कि आपने कोई डिवाइस लगाकर मीटर

की तरह रिचार्ज के प्लान के मुताबिक देते थे। पुराने मीटर से बिजली चोरी का असर ईमानदारी से बिल भरने वाले आप बिजली खपत कर सकेंगे। ६ पुलिसकर्मी बनकर हर दिन आट लोगों से ठगी, डीपी लगाकर करते हैं फरेब

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर जी हां साइबर ठग इन दिनों पुलिसकर्मी बनकर लोगों से नजदीकियां बढ़ाकर उनके साथ फरेब कर रहे हैं। कभी अपने करीबी के मुसीबत में होने की बात या गिरफ्तारी का डर दिखाकर रकम ऐंठ ली जाती है। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम या दूसरी सोशल नेटवर्किंग साइटों पर कोई खुद को पुलिसकर्मी बताकर आपसे संपर्क करे तो जरा सावधान हो जाएं। जी हां साइबर ठग इन दिनों पुलिसकर्मी बनकर लोगों से नजदीकियां बढ़ाकर उनके साथ फरेब कर रहे हैं। कभी अपने करीबी के मुसीबत में होने की बात या गिरफ्तारी का डर दिखाकर रकम ऐंठ ली जाती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों पर गौर करें तो राजधानी में हर दिन औसतन साइबर ठगी की लगभग 650 शिकायतें आती हैं। इनमें करीब आठ लोगों के साथ पुलिसकर्मी बनकर ठगी की जाती है। कई मामलों में तो साइबर ठगों ने अपने नंबर और डीपी ट्र-कॉलर पर सेव भी की हुई है। कॉल आने पर लोग आसानी से इनके जाल में फंसकर अपनी रकम

दिल्ली में आज से आप का हस्ताक्षर अभियान, घर-घर जाएंगे नेता; पूछेंगे- क्या सीएम दे दें इस्तीफा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर मंत्री गोपाल राय ने बताया कि आम आदमी पार्टी एक दिसंबर से 20 दिसंबर तक सिग्नेचर अभियान चलाएगी जिसमें दिल्ली की जनता से राय मांगी जाएगी कि क्या अरविंद केजरीवाल को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। आम आदमी पार्टी तथाकथित शराब घोटाले में मख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका के मद्देनजर शुक्रवार से राजधानी में ह्यमैं भी केजरीवालह्न हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। आगामी 20 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान में जनता से पूछा जाएगा कि केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने पर उनको इस्तीफा देना चाहिए या जेल से ही दिल्ली सरकार चलानी चाहिए?आप के प्रदेश संयोजक एवं दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हस्ताक्षर

अभियान में सरकार के मंत्री, पार्टी के विधायक, पार्षद और पदाधिकारी 2600 पोलिंग स्टेशनों में घर-घर जाएंगे और लोगों से चर्चा कर उनकी राय जानेंगे। इसके अलावा 21 से 24 दिसंबर तक विधायक और पार्षद सभी वार्डों में जनसंवाद करके जनता की राय लेंगे। इस संबंध में मंडल स्तर पर टीमों का गठन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने एक पंफलेट तैयार किया है, जो घर-घर जाकर लोगों को दिया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता लोगों के साथ पंफलेट में कही गई बातों पर चर्चा करेंगे कि आखिर तथाकथित शराब घोटाला फर्जी कैसे है? केजरीवाल को प्रधानमंत्री क्यों गिरफ्तार करना चाहते हैं ? आप को खत्म करने का आरोप दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने फर्जी केस बनवाकर मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह को जेल में डाल दिया है। इसके बाद भी आप को नहीं तोड़ने में कामयाब नहीं होने पर भाजपा ने केजरीवाल को गिरफ्तार

नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने नवंबर में हर घंटे काटे 349 वाहनों के चालान, जानें डिटेल्स

• इन जुमार्ने में से २.७० लाख रुपये वसूल किए गए और सरकारी खजाने में जमा कर दिया गया।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली नवंबर के महीने में विशेष यातायात जागरूकता अभियान के दौरान, गौतम बौद्ध नगर पुलिस ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सडक सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 2,51,398 ई-चालान जारी किए। यह प्रति घंटे औसतन 349 चालान है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान जारी किए गए ई-चालान का कुल मूल्य 59 लाख रुपये से ज्यादा था। पुलिस उपायुक्त (यातायात) अनिल कुमार यादव ने विशेष अभियान के समापन पर कहा कि जागरूकता अभियान को 1 नवंबर को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने हरी झंडी दिखाई थी। जिसका मकसद नागरिकों को यातायात दिशानिदेशों के बारे में शिक्षित करना और सड़क उपयोगकताओं द्वारा नियम अनुपालन लागु करना था। यादव ने कहा, ₹नवंबर ने जिले में ब्लैक स्पॉट को कम करने



2023 के महीने में, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए कुल 2,51,398 ई-चालान जारी किए गए। उल्लंघनकताओं पर 59.29 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।इन जुमार्ने में से 2.70 लाख रुपये वसूल किए गए और सरकारी खजाने में जमा कर दिया गया।₹ उन्होंने कहा कि 2023 में गौतम बौद्ध नगर में अब तक कुल 16.97 लाख ई-चालान जारी किए गए हैं। जबकि 94.54 लाख रुपये जुमार्ना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा किया गया है। अधिकारी ने कहा कि नवंबर में विशेष अभियान के दौरान वायु प्रदूषण सहित विभिन्न उल्लंघनों के कारण 680 वाहन जब्त किए गए थे। यादव ने कहा कि यातायात पुलिस

पर भी काम किया। इसके लिए पुलिस ने क्षेत्रीय परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग और जिले में स्थानीय विकास प्राधिकरणों के साथ नजदीकी से काम किया। ऐसे कुल 15 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई और उनमें से चार में सुधार किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल 11 ब्लैक स्पॉट बचे हैं, जिनके सुधार की प्रक्रिया जारी है। यादव ने कहा, ₹ट्रैफिक पुलिस, पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में काम कर रही है और सडक सुरक्षा के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। ताकि सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों पर भीड़भाड़ को खत्म किया जा सके। कि जब भी वे सड़क पर हों तो यातायात नियमों का पालन करें ताकि हम ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं

शादी के खंधन में खंधे HIV

पॉजीटिव, जी रहे ख्रुशहाल जीवन

🛡 उ लेकिन इसके बावजूद भी आत्मविश्वास और जीने की चाह में कुछ लोग इस बीमारी को भी मात देने में जुटे हैं।

फरीदाबाद एचआईवी के प्रति लोगों

परिवहन विशेष न्यूज

को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी जागरूकता के कारण अब लोग इस लाइलाज बीमारी को भी सकारात्मकता के साथ ले रहे हैं। इसी का नतीजा है कि आज एचआईवी पॉजीटिव इलाज के दौरान शादी के बंधन में बंधकर ख़ुशहाल जिंदगी जीने की राह पर आगे बढ़ रहे है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में लगातार एचआईवी पॉजीटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। एचआईवी वायरस को दवाइयों से लगातार कंट्रोल करने का प्रयास किया जा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो इस बीमारी में दवाइयों से अधिक काउंसलिंग काम करती है। मरीजों में नकारात्मक और बुरे विचारों से छुटकारा दिलवाने के लिए उनमें आत्मविश्वास पैदा करने की आवश्यकता होती है। जिला नागरिक अस्पताल की ओर से

लोगों को जागरूक करने के लिए हर



संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषज्ञों यह कहना है एचआईवी पॉजिटिव मधु का कहना है कि यह एक ऐसी बीमारी का बदला हुआ नाम। उन्हें इलाज के है जिसमें मरीज का आत्मविश्वास खत्म दौरान एचआईवी पॉजीटिव जय बदला हो जाता है. लेकिन काउंसलिंग के जरिए हुआ नाम से प्यार हुआ और उन्होंने वर्ष मरीज को हेल्दी लाइफ के लिए जागरूक 2021 में शादी कर ली। आज उनका किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एक वर्ष का एक बेटा है जोकि बिल्कुल मरीज को भले ही लाइफटाइम दवाइयों के स्वस्थ है। नकारात्मक रवैये से उभरने सहारे की जरूरत होती है, लेकिन इसके की आवश्यकता एआरटीसी ईएसआई बावजूद भी आत्मविश्वास और जीने की सेक्टर-8 के इंचार्ज डॉ. मनीष दलाल चाह में कुछ लोग इस बीमारी को भी मात का कहना है कि एचआईवी पीड़ित का देने में जुटे हैं। इस बीमारी से ग्रसित व्यक्ति दवाइयों के अलावा काउंसलिंग के जरिए बीमारी को लेकर कम और समाज से इसे सफल उपचार हो सकता है। लोगों को छुपाकर रखने की जद्दोजहद में अधिक इसके लिए जागरूक होने की जरूरत है। मानसिक तनाव का शिकार हो जाता है। उन्होंने बताया कि उनके पास तीन जिलों

के 2200 मरीज आते हैं। यहां रोजान 80 से 100 मरीजों की काउंसलिंग की जाती है। उन्होंने बताया कि मरीजों को हर प्रकार की मदद उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने बताया कि समाज को पता लगने के डर से कुछ लोग आत्महत्या करने तक करने का फैसला ले लेते हैं जोकि समाज के नकारात्मक रवैये का नतीजा है। इसके बावजूद भी पॉजीटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। एचआईवी पॉजीटिव मरीजों में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी खासी संख्या में शामिल हैं।वर्ष 2019 में कुल 65,323 लोगों ने एचआईवी की जांच करवाई, इसमें से 235 पुरुष और 94 महिलाएं और 15 गर्भवती महिलाएं शामिल थीं। जबिक वर्ष 2020 में कोरोना के चलते केवल 50,922 लोगों ने जांच करवाई, इसमें से 141 पुरुष और 65 महिलाएं के अलावा नौ गर्भवती शामिल रहीं। इसी प्रकार वर्ष 2021 में 248 पुरुष और 75 महिलाएं 16 गर्भवती पॉजीटिव पाई गईं। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा बढ़ गया, जिसमें 489 पुरुष, 112 महिलाएं और 33 गर्भवती, जबिक वर्ष 2023 में अभी तक 505 मरीज एचआईवी पॉजीटिव

टेस्ला साइबरट्रक की डिलीवरी जल्द हो रही है वालू, एलन मस्क के लिए क्या हैं इसके मायने

परिवहन विशेष न्यूज

टेस्ला साइबरट्रक दुनिया का सबसे बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) है और इसकी डिलीवरी की समयसीमा लगभग चार साल तक खिंच गई है। यह उस ईवी के लिए काफी लंबा इंतजार माना जा सकता है जिसमें कंपनी के सीईओ दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जो सामान्य तौर पर नहीं देखा जाता है।चाहे कोई आश्चर्य करे या भले ही बहुत ज्यादा आलोचना, आम तौर पर इस बात से सभी सहमत हैं कि साइबरट्रक और एलन मस्क दोनों के लिए साबित करने और हासिल करने के लिए अभी भी बहुत कुछ बाकी है।

मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हैं। और उनकी शख्यियत मुख्य रूप से दुनिया भर में टेस्ला के उदय और प्रसार से बनी है। ऑस्टिन में मख्यालय वाली कंपनी यह है जिसने दशकों की विरासत वाले कार निमार्ताओं को, एक तरह से कहा जाए तो, धूल चटा दी है। क्योंकि इसके इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री



चार्ट के टॉप पर दौड रहे हैं। स्मार्टफोन की दुनिया के लिए आईफोन और एपल जो हैं, शायद वही मॉडल ३, मॉडल और टेंस्ला, ईवी दुनिया के अभिजात

वर्ग के लिए हैं। लेकिन जबकि एपल ने अपने आईफोन के हर नए संस्करण के साथ काफी सावधानी से रास्ता अपनाया है. साडबरटक किसी भी

अन्य टेस्ला कार और वास्तव में, दुनिया में कहीं भी किसी भी अन्य वाहन से बहुत आगे है।

टेस्ला इस समय दुनिया भर के बाजारों में

मॉडल एस, मॉडल ३, मॉडल एक्स और मॉडल वाई जैसे ईवी पेश करती है।इनमें से दो इलेक्ट्रिक सेडान हैं और बाकी दो इलेक्ट्रिक एसयुवी हैं। अब इसके परिवार में साइबरद्रक भी शामिल हो गया है । जो टेस्ला का पहला इलेक्ट्रिक पिक-अप है। लेकिन इसके जैसा कहीं और कोई वाहन

साइबरट्रक को पहली बार 2019 में दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया था। यह वह समय था जब कोविड -19 जैसी आपदाएं वास्तविक दुनिया में और मस्क द्वारा

दिवटर पर कब्जा करने और इसे 'एक्स' नाम देने जैसी घटनाएं आभासी दुनिया में नहीं हुई थीं। निश्चित रूप से, मस्क उस समय सबसे अमीर लोगों की टॉप-10 सूची में थे।लेकिन बाद के वर्षों में भी वह यह ताज हासिल करने में कामयाब रहे। इन वर्षों में उन्होंने बहुत कुछ किया। लेकिन वे साइबरट्रक की डिंलीवरी की समय-सीमा का किया गया वादा पूरा नहीं कर सके। लगभग २० लाख ग्राहकों ने कम से कम एक यूनिट की बुकिंग की थी और वे तब से

इसका इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि साइबरट्रक को हर

बीते समय में अक्सर इसके डिजाइन को बिना किसी कल्पना वाला और इसकी इंजीनियरिंग को संभावित रूप से स्वच्छंद के रूप में बताया गया है। टेस्ला का यह वाहन हालिया स्मृति में कुछ अन्य वाहनों की तरह लोगों की राय को बांट देता है। प्यार और नफरत साइबरट्रक की विरासत का भी उतना ही हिस्सा होने की संभावना है, जितना कि ये पहले से ही मस्क की विरासत में हैं।

गुरुवार को अमेरिका में एक विशेष कार्यक्रम में, कुल १० साइबरट्रक यूनिट्स उन लोगों को सौंपी जाएंगी, जिनके टेस्ला कर्मचारी होने की संभावना है।लेकिन रिपोर्टी से पता चलता है कि टेस्ला दिसंबर के आखिर तक 10,000 डिलीवरी पुरी करने की योजना बना रही है। 2024 में, साइबरट्रक डिलीवरी कथित तौर पर 1.20 लाख यूनिट निर्धारित की गई है। लेकिन क्या इतनी अपरंपरागत ईवी नकदी खर्च किए बिना उच्च उत्पादन मात्रा तक पहुंचने में सक्षम होगी ? इसका जवाब मस्क के कारोबार करने के विलक्षण दृष्टिकोण की सबसे बड़ी परीक्षा हो सकता

इंडिया बाइक वीक 2023, जानें वह सब कुछ जो आपके लिए जरूरी है

परिवहन विशेष न्यूज

(इंडिया बाइक वीक) (IBW) अपने १०वें वर्ष की तैयारी कर रहा है।इस बार इसका आयोजन ८ और 9 दिसंबर को वागाटोर, गोवा में होगा।कोई व्यक्ति IBW की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 2,499 रुपये में एक दिन का पास या २,९९९ रुपये में वीकेंड पास हासिल कर सकता है। मोटरसाइकिल फेस्टिवल का आयोजन सेवेंटी ईएमजी द्वारा किया जा रहा है।इसे गल्फ सिंट्रैक के साथ साझेदारी में आयोजित किया

मोटरसाइकिल फेस्टिवल में 6 अलग-अलग ट्रैक होंगे, जिनमें से तीन रेस ट्रैक सिएट के होंगे।इसमें एक फ्लैट ट्रैक, एक एंड्यूरो ट्रैक और एक रोमांचक मड रश है और सीएट सुपर क्रॉस लीग का प्रिवयू भी

. २०२३ इंडिया बाइक वीक में कई

ओईएम भी भाग ले रहे हैं और अपनी मोटरसाडकिलों का पदर्शन कर रहे हैं।IBW 2023 में विभिन्न बाइकिंग समुदायों के सदस्य अपनी अनठी कहानियां साझा करते हए दिखाई देंगे।हमेशा की तरह संगीत समारोह भी होगा। इस बार न्यूक्लिया और अन्य डीजे जैसे गुरंबक्स, नैश जूनियर, डिस्को केंड, अवीव परेरा, आरिफा और



गली गैंग अपनी परफॉर्मेंस देंगे। की कला का जश्न मनाता है।

मोटरसाइकिल फेस्टिवल का एक अनिवार्य हिस्सा भोजन है। आईबीडब्ल्यू 'द बिग फोर्कर्स मीट फेस्ट' को वापस लाया है जो भारत में मांस को पकाने, ग्रिल करने, स्मोकिंग करने और बारबेक्यू करने

अनिल भिंगार्डे और हफीज कॉन्ट्रैक्टर जैसे संग्राहक क्लासिक मोटरसाइकिलों और स्कूटरों का अपना कलेक्शन प्रदर्शित करेंगे। इसके अलावा, वहां कस्टम मोटरसाइकिलों के साथ-साथ उन्हें

बनाने वाली दुकानें भी होंगी। मार्टिन दा कोस्टा ₹आईबीडब्ल्यू टीम

के सभी लोगों के लिए यह ऐसा अद्भुत क्षण होता है कि उन्हें विश्वास ही नहीं होता कि २०२३ में भारत बाइक वीक फेस्टिवल के 10 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है।2023 में यह १० गुना है क्योंकि

यह त्यौहार और पूरी मोटरबाइकिंग संस्कृति और समुदाय पिछले एक दशक में विकसित हुआ प्रतीत होता है। २०१३ में कुछ हजार बाइकर्स से, अब भारत में सैकड़ों हजारों सवार हैं जो अपनी बाइक का इस्तेमाल यात्रा, क्रॉस कंट्री यात्राओं, अनुभवों और समान विचारधारा वाले लोगों से जुड़ने के लिए करते हैं।हमने पूरे देश में मोटरसाइकिलिंग क्लबों को पनपते देखा है।भारत भर से महिला स्वतंत्रता और आजादी पर जोर देने के लिए अपनी मशीनों का इस्तेमाल करती हैं।भारतीय मोटरसाइकिल रेसर्स उभरते हैं, मोटरसाइकिल बिल्डरों और डिजाइनरों की पूरी उप-संस्कृतियां व्यवसाय स्थापित

असम के मुख्यमंत्री ने 35,770 मेधावी छात्रों का किया सम्मान, तोहफे में दिया स्कूटर

परिवहन विशेष न्यूज

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रज्ञान भारती योजना के तहत उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को एक समारोह में स्कूटर वितरित किए। गुरुवार को गुवाहाटी के खानापारा में वेंटरनरी कॉलेंज मैदान में एक कार्यक्रम के दौरान स्कूटर डिस्ट्रीब्यूट किए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रज्ञान भारती योजना के तहत उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को एक समारोह में स्कूटर वितरित किए। गुरुवार को गुवाहाटी के खानापारा में वेंटरनरी कॉलेंज मैदान में एक कार्यक्रम के दौरान स्कूटर डिस्ट्रीब्यूट किए।महान साहित्यकार और भाषाविद बनिकांता काकाती की स्मृति में स्थापित यह पुरस्कार अपने छठे वर्ष में प्रवेश कर गया है।इस साल इस योजना के तहत 35770 छात्रों को स्कूटर दिए गए थे। अपने संबोधन में सीएम सरमा ने शिक्षा के जरिए युवाओं को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर रोशनी डाली। छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए निर्बाध सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई पहल के तहत 2023 की उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं में 60 प्रतिशत और 75 प्रतिशत अंक हासिल करने वालों को स्कृटर वितरित किए

मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद



है कि छात्रों के अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन के सम्मान में दी गई स्कूटी उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

कार्यक्रम के दौरान सीएम सरमा ने साहित्य, भाषा विज्ञान और सांस्कृतिक मानव विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हार व को भी श्रद्धांजलि दी।सीएम सरमा के अनुसार, मेधावी छात्रों को उनकी पढ़ाई जारी रखने में सहायता करके, सरकार काकती की विरासत का सम्मान करती

बाधाओं के बावजूद छात्रों को अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित

करते हुए, मुख्यमंत्री ने छात्र समुदाय को ज्यादा मदद पहुंचाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने मुफ्त स्कूटर, पाठ्यपुस्तकें और रियायती छात्रावास शुल्क जैसे अतिरिक्त फायदों को शामिल करने के लिए प्रज्ञान भारती योजना का विस्तार करने की योजना का खुलासा किया।

वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के लिए, असम सरकार ने 35,770 पात्र छात्रों को स्कूटर वितरित करने की योजना बनाई है। जिसमें 30,203 छात्राएं हैं जिन्होंने प्रथम श्रेणी हासिल की है और 5,567 लड़कों ने २०२३ में एएचएसईसी द्वारा आयोजित उच्च माध्यमिक परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक हासिल किए हैं।

सेडान लेने की सोच रहे हैं तो यह है १० लाख से नीचे की ५ बेहतरीन कारें

परिवहन विशेष न्यूज

होंडा की यह कार सेडान सेगमेंट में आती है और लुक वाइस यह काफी खूबसूरत दिखती है, तो वहीं इसके फीचर्स भी काफी कमाल के हैं।इसके प्राइस की बात करें तो इसका बेस प्राइस ७ लाख रुपए से शुरू होता है और टॉप मॉडल आपको ९.६ लाख में मिल जाती है। जब भी कार का ख्याल आता

है तो लोगों के दिमाग में दो ही सेगमेंट विशेष तौर पर आते हैं, जिनमें या तो हैचबैक या खश्। सेडान के बारे में लोगों का इंटरेस्ट थोड़ा कम ही होता है, लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि सेडान लवर की दुनिया में कमी है।कार चलाने के वह शौकीन जिन्हें कंफर्ट के साथ-साथ लग्जरी भी चाहिए वह सेडान की तरफ अपना रूख करते हैं और यही वजह है की मार्केट में सेडान सेगमेंट में एक से एक बेहतरीन गाड़ियों की रेंज पड़ी हुई है।लेकिन आज यहां हम उन सेडान कार की बात करेंगे जो आपको 10 लख रुपए तक के बजट में मिल जाएँगी और जिनका फीचर काफी बेहतरीन है और उनकी माइलेज भी काफी अच्छी है।तो आईए जानते हैं कौन सी है वह पांच गाड़ियां जो

में पुरानी कारों की कीमतें आपको आश्चर्यचकित कर सकती हैं

सेडान सेगमेंट में टॉप पर चल रही

उपयोग की गयी गाडी की की मते 1. होंडा अमेज

होंडा की यह कार सेडान सेगमेंट में आती है और लुक वाइस यह काफी खूबसूरत दिखती है, तो वहीं इसके फींचर्से भी काफी कमाल के हैं। इसके प्राइस की बात करें तो इसका बेस प्राइस ७ लाख रुपए से शुरू होता है और टॉप मॉडल आपको 9.6 लाख में मिल जाती है। इस गाड़ी के माइलेज की बात करें तो यह 18.6 किलोमीटर प्रति लीटर की रफ्तार का माइलेज देती है। टेक्नोलॉजी की नयी ऊँचाइयों की ओर, दुनिया का पहला लाइव लोकेशन शेयरिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर, जानिए इसके शानदार

फीचर्स और दाम 2. हुंडई औरा हुंडई औरा को सेडान का एंट्री लेवल कार माना जाता है और यह गाड़ी भी जब लॉन्च हुई थी तो लोगों ने इसे काफी पसंद किया

था। इसका लुक काफी कंपैक्ट है इसके साथ ही इसके फीचर्स काफी बेहतरीन हैं और यह गाड़ी लग्जरी रेंज में आती है। बता दें कि इस गाड़ी की शोरूम प्राइस ६.३३ लाख से शुरू होती है और टॉप मॉडल इसकी 8.9 लाख की रेंज में आती है। ऑरा आपको पेट्रोल सीएनजी दोनों ही ऑप्शन में उपलब्ध मिलेगी और इसकी माइलेज भी काफी बेहतरीन बताई जाती है।

3. मारुति सुजुकी डिजायर जैसा कि हम सभी जानते हैं कि मारुति की गाड़ियां देश भर में सबसे ज्यादा बिकती हैं, वह चाहे शहरी इलाके हो, चाहें ग्रामीण इलाके हो मारुति सुजुकी की गाड़ियों की दीवानगी आपको दोनों जगह देखने को मिलेगी। सुजुकी की अगर सिडान की बात करें उसे सेडान सेगमेंट में डिजायर काफी ज्यादा पसंद की जाती है।

इन पांच तरीकों से रखें अपने स्कूटर का ध्यान, मिलेगा सबसे ज्यादा एवरेन, नानें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

करती हैं।

भारतीय बाजार में पेट्रोल के दाम काफी कम समय में काफी ज्यादा हो गए हैं।ऐसे में अगर आप स्कूटर चलाते हैं, तो बेहतर एवरेज के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।आइए जानते हैं। देश में बड़ी संख्या में दो पहिया वाहनों का उपयोग होता है । इनमें से स्कूटर का भी काफी ज्यादा उपयोग किया जाता है।लेकिन अक्सर लोग कम एवरेज से परेशान रहते हैं।हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अगर आप भी कुछ बातों का ध्यान रखें तो किस तरह से एवरेज को बेहतर किया जा सकता है। समय पर सर्विस

अक्सर लोग अपने स्कूटर की सर्विस समय पर नहीं करवाते, जिसकी वजह से इंजन पर बुरा असर पड़ता है।इंजन पर खराब असर होने के कारण स्कूटर में तेल की खपत बढ़ जाती है। अगर आप भी सर्विस करवाना भूल जाते हैं, तो ऐसे में स्कूटर की मैनुअल बुक को देखा जा सकता है। उसमें जानकारी होती है कि आपको स्कूटर की सर्विस कब करवानी

चाहिए। साफ रखें फिल्टर





सर्विस के समय तो एयर फिल्टर की सफाई होती ही है, लेकिन अगर आप बीच में भी एयर फिल्टर को साफ करवाते हैं, तो भी एवरेज को बढ़ाने में मदद मिलती है।कोशिश कीजिये कि हर 500-1000

किलोमीटर के बाद एयर फिल्टर की सफाई करा लें।शहरों में इतना ज्यादा प्रदूषण होता है कि एयर फिल्टर जल्दी गंदा होने लगता है। अगर इसे नियमित तौर पर साफ किया जाएगा तो इंजन की

परफॉरमेंस के साथ ही एवरेज में भी इजाफा होगा। कितनी स्पीड है सही बेहतर एवरेज लेने के लिए हमेशा स्कूटर को

तय स्पीड में

ही चलाना

चाहिए।इससे एवरेज सही रखने में मदद मिलती है। जानकारों के मुताबिक स्कूटर की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक ही रखनी चाहिए।इस स्पीड में स्कूटर

चलाने पर इंजन बेहतर तरीके से काम करता है और ईंधन की खपत भी कम हो जाती है जिससे एवरेज बढता है।तय स्पीड में चलाने पर बेहतर एवरेज मिलने के साथ ही स्कूटर पर पूरा कंट्रोल रहता है और दुघर्टना होने का खतरा भी काफी कम हो जाता है। स्पार्क प्लग भी रखें साफ

स्कूटर के इंजन तक सही मात्रा

में करंट पहुंचाने के लिए स्पार्क प्लग का उपयोग किया जाता है। ऐसे में स्पार्क प्लग की सफाई भी बेहद जरूरी होती है। अगर यह साफ ना हो तो इंजन तक करंट पहुंचने में परेशानी होती है और इसका असर एवरेज पर भी होता है।इसलिए समय-समय पर स्पार्क प्लग को चेक करें और जरुरत पड़ने पर बदलें। ज्यादा भार ना डालें

कुछ लोग अपने स्कूटर का उपयोग कार की तरह करते हैं।या तो ज्यादा लोगों के साथ सफर करते हैं या फिर क्षमता से ज्यादा सामान लेकर चलते हैं।इस तरह से लापरवाही बरतने पर स्कूटर का एवरेज काफी कम हो जाता है। इसके अलावा पुलिस की ओर से चालान भी काटा जा सकता है और सड़क पर अन्य वाहनों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ता है।

सिलक्यारा सुरंग की घटना

17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिन-रात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमेरिका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है ? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कोताही में लिप्त हुए निमार्णाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे। हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन-अनुसंधान-जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो निदयां एक-दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू-धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार-बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रश्न है कि कौन लोग इस उपेक्षा के लिये जिम्मेदार हैं। इसलिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्कर को लेकर संवेदनशीलता की जरूरत है। खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन हमें संभावित खतरों पर अधिक गंभीर होने की अपेक्षा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी सड़क, रेल और जलविद्युत परियोजनाओं तक के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि सुरंगों को बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। क्या सुरंगें वांकई बेहतर विकल्प हैं? कैसे हो रहा है उनका निर्माण? इन प्रश्नों पर व्यापक मंथन की अपेक्षा है। ऐसा नहीं है कि भारत में ऐसी परियोजनाएं हर जगह ऐसी दुर्घटनाओं की शिकार हुई है। सिलक्यारा की घटना से एक तथ्य और सामने आया है कि ऐसे बचाव कार्य के लिए कोई पक्की योजना हमारे पास नहीं है। इसी वजह से विदेश से मदद लेनी पड़ी। अच्छा यही होगा कि इस घटना से सबक लेकर इस तरह के बचाव कार्य की पुख्ता प्रक्रिया और सामर्थ्य देश के पास हो ताकि आने वाले वक्त में इस तरह का बचाव कार्य जल्द से जल्द और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। इस हादसे से सबक लेते हुए आपदा प्रबंधन कार्यों को आधुनिक रूप देने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। विदेशों से हम तकनीक के मामले में मदद लेते रहते हैं।

तुम किस मिट्टी के बने हो



एक पत्रकार ने नौकरी छोड़कर यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया। तब एक यूजर ने पूछा, यदि पहले की तरह किसी ने इसे भी खरीद लिया तो कहाँ जाओगे? पहले दिन उस पत्रकार ने पूरा मन लगाकर काम किया। तब एक यूजर ने फिर से पूछा, आज तुमने कितनी खबरें दिखाईं ? पत्रकार ने कहा कि मैंने तो सिर्फ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा एक खूबर ही दिखाई। यूजर चौंककर बोला.

क्या सिर्फ एक ही खबर। आम तौर पर भौंकू चैनलों पर काम करने वाले हर भौंकने वाले पत्रकार दस से पंद्रह खबर तो छींक मारकर दिखा देते हैं। अच्छा ये बताओं तुमने कौनसी खबर दिखाई? एक खबर में सबकी कबर । पत्रकार बोला। क्या! लेकिन तुमने यह कैसे किया? आश्चर्यजनक रूप से यूजर ने पूछा। पत्रकार ने कहा, एक यूजर ने कमेंट बॉक्स में लिख डाला कि दम है तो अपनी खबर से मुझे कबर तक पहुँचाओ। मैंने सबसे पहले दो हजार रुपए की नोट ली। उसे ऊपर से नीचे की ओर फेंक दिया। मैंने कहा इसे कहते हैं रुपए का गिरना। वह काफी प्रभावित हुआ। फिर मैंने कहा कि इसे मैं कहीं से भी ढूँढ़ सकता हूँ। मैंने अपने फोन में वाईफाई ऑन कर दो हजार के नोट में छिपे चिप से लिंक किया। गूगल मैप की तर्ज पर मुझे दो हजार रुपए का पता मिल गया। यूजर का होश उड़ता जा रहा था। मैं यहीं तक नहीं रुका। फिर मैंने कहा कि यह नोट गुलाबी है। गुलाबी रंग से प्यार बढ़ता है। इसलिए इस नोट को अपने जेब में संभाले रखना। प्रेम खर्च करने से जीवन में शांति के साथ-साथ बची-खुची खुशी भी चली जाएगी। इतना कहते ही यूजर ने अपना पर्स टटोला। उसमें रखी दो हजार की नोट गायब थी। मैंने उसे ढांढस बंधाते हुए कहा कि इसमें रोने जैसी कोई बात नहीं है। एक बार अपने फोन का मैसेज इनबॉक्स देख लो। उसमें संदेश आया होगा कि फलां केर फंड में दो हजार जमा करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आपकी देशभक्ति वेरिफाइड हो चुकी है। यह पढ़कर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने साथ-साथ एक लाख फॉलोवर्स को मेरे यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइब करवाकर मेरा गुणगान कर रहा है। पहले यूजर ने कहा, वाह यह तो बड़े कमाल की बात है। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि बीस-पच्चीस ऐसे भी यूजर हैं जो बार-बार तुम्हारी हर प्रेजेंटेशन पर तारीफों के पुल बाँधते नजर आते हैं। वैसे ये हैं कौन? तब पत्रकार ने कहा, ये बड़े-बड़े न्यूज चैनलों के एंकर हैं, जो मेरा मसाला चुराकर अपने चैनलों पर लड़ने-झगड़ने की तड़कदार-भड़कदार रेसिपी बनाते हैं। अंदर की बात यह है कि बेवकूफ बनने वाले भी बेवकूफ बनाने का मसाला यहीं से ले जाते हैं।

चुनाव का बिगुल बज गया , शुरूआत अमित शाह ने बंगाल से कर दी



लेखकः अशोक भाटिया

च राज्यों के विधानसभा चुनावों का परिणाम अभी आना बाकी है, लेकिन भाजपाँ ने 2024 की चुनावी जंग का बिगुल अभी से फूंक दिया है क्योंकि भाजपा हमेशा चुनावी मोड़ पर रहती है । इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को कोलकाता पहुंचे। शाह ने कोलकाता के धर्मतला में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ राज्य की राजधानी में हुंकार भरी। भाजपा ने अमित शाह की रैली को ह्यप्रतिवाद सभाह्न का नाम दिया है और ह्यकोलकाता चलोह्न के नारे के साथ रैली का आयोजन किया । रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि, 'हम 2024 में न केवल मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएंगे बल्कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएंगे'। बता दें कि बुधवार को अमित शाह कोलकाता रैली उसी मैदान में की, जहां सोहरावर्दी ने प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस कहा था। शाह ने कहा कि, यह मैदान मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है।' बंगाल में अगली सरकार भाजपा की होगी। आपने 77 सीटें दी हैं और अभी-अभी दीदी ने सुवेंदु अधिकारी को विधानसभा से निष्कासित किया है। सुनो दीदी आप सुवेंदु को विधानसभा से तो निकाल सकती हैं लेकिन जनता के दिल से नहीं। शाह ने रैली में सवाल किया कि, बताओं क्या यहां भ्रष्टाचार रुक गया? मोदी जी बंगाल को करोड़ों का फंड भेजते हैं लेकिन टीएमसी वह पैसा ले लेती है। टीएमसी ने बंगाल को बर्बाद कर दिया

उन्होंने मुख्यमंत्री ममता को चुनौती देते हुए कहा कि, 'भैं ममता बनर्जी को चुनौती देता हूं कि वह अपने गिरफ्तार टीएमसी नेताओं और मंत्रियों को निलंबित करें। वह बेतहाशा दुर्गा नाम का जाप कर रही हैं ताकि उनके गिरपतार मंत्री/नेता उनके भतीजे के बारे में गलत बातें न फैला सकें। ममता बनर्जी आप पूरी कोशिश कर लें, पिछला चुनाव आपने अवैध तरीके अपनाकर जीता था लेकिन २०२६ में हम राज्य में सरकार बनाएंगे।हम बंगाल को ही ऐसा कर सकती है।

है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा सबसे ज्यादा है। घुसपैठ ही मुख्य मुद्दा है। ममता जी इसे रोक नहीं सकतीं। जो बंगाल कभी रवीन्द्र संगीत सुनता था, अब बम की आवाजें सुनता है। मैं गुजरात से हूं लेकिन मेरे राज्य में किसी ने भी किसी नेता के पास भी किसी नेता के पास से नोटों के बंडल नहीं देखे। ममता बनर्जी अपने अन्य गठबंधन दल के साथ अयोध्या में राम मंदिर पर आपत्ति जताती रहीं। मैं आपको आश्वस्त करता हं कि सीएए देश लागु करेगी। शाह ने आरोप लगाया कि ममता दीदी वोट के चक्कर में बांग्लादेश और म्यांमार से आ रहे घुसपैठियों के आधार कार्ड बनवा रही है और ये घुसपैठिए बंगाल के हिन्दुओं का हक मार रहे हैं, भाजपा ये नहीं चलने देगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता को चुनौती देते हुए कहा कि, 'मैं ममता बनर्जी को चुनौती देता हूँ कि वह अपने गिरफ्तार टीएमसी नेताओं और मॅत्रियों को निलंबित करें। वह बेतहाशा दुर्गा नाम का जाप कर रही हैं ताकि उनके गिरफ्तार मंत्री/नेता उनके भतीजे के बारे में गलत बातें न फैला सकें। ममता बनर्जी आप पूरी कोशिश कर लें, पिछला चुनाव आपने अवैध तरीके अपनाकर जीता था लेकिन 2026 में हम राज्य में सरकार बनाएंगे। हम बंगाल को सोनार बांग्ला बनाएंगे और केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है। दरअसल, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का ज्यादा फोकस पश्चिम बंगाल, उडीँसा, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, पंजाब मिलाकर बुधवार को कोलकाता में अगले लोकसभा चुनाव

और तमिलनाडु जैसे उन राज्यों में होगा, जहां भाजपा की स्थिति कमजोर हैं और जहां लोकसभा सीटें बढ़ने की संभावना है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल में कुल 42 में से 18 सीटें जीती थी जबकि 2014 में भाजपा के पास सिर्फ दो सीटें थी। इसके बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिलीं जबकि उससे 5 साल पहले बंगाल विधानसभा में भाजपा का एक भी विधायक नहीं था। अब भाजपा बंगाल में मुख्य विपक्षी दल है। बंगाल में लैफ्ट फ्रांट तकरीबन पूरी तरह खत्म हो गया है। कांग्रेस का अस्तित्व न के बराबर है। अब मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच है। इसीलिए भाजपा बंगाल में पूरी ताकत लगा रही है। बंगाल की तरह भाजपा की नजर तेलंगाना पर भी है। तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कुल 119 में से सिर्फ एक सीट मिली थी लेकिन उसके बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 17 में 4 सीटें जीतीं। भाजपा को तेलंगाना से भी उम्मीदें हैं। इसीलिए इस बार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने तेलंगाना में काफी ताकत लगाई। अमित शाह की जब रैली हो रही थी उसके जवाब में ममता ने भी अपनी पार्टी के नेताओं के साथ केन्द्र सरकार के खिलाफ विधानसभा परिसर में धरना दिया। मोदी सरकार पर बंगाल के साथ भेदभाव का इल्जाम लगाया। कल

के कैंपेन का टोन दिखाई दिया। कोलकाता में अमित शाह की रैली के लिए भाजपा ने काफी तैयारी की थी। ममता की सरकार इस रैली को रोकना चाहती थी। पहले प्रशासन ने रैली की अनुमति नहीं दी। भाजपा ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने ममता सरकार की दलीलों को खारिज करके अमित शाह की रैली को हरी झंडी दी। इससे भाजपा नेताओं और कार्यकताओं का उत्साह बढ गया। इसलिए अमित शाह की रैली में जबरदस्त भीड जुटी। पश्चिम बंगाल में, ममता के राज में, विरोधियों की रैली में इस तरह की भीड़ कम दिखती है। भीड़ को देखकर अमित शाह ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी धांधली करके जीत गई, लेकिन अब ममता के जाने का वक्त आ गया है। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में तुष्टिकरण की राजनीति अब खत्म होगी, हिन्दुओं का हक मारने वालों की विदाई होगी । अमित शाह ने ममता बनर्जी को भ्रष्टाचार, अपराध, चुनावी हिंसा, तुष्टिकरण और घुसपैठ के मुद्दों पर घेरा और इसके बाद सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट का मसला उठाया। अमित शाह ने कहा कि अब सीएए को लागु करने से कोई नहीं रोक सकता। शाह ने कहा कि घुसपैठ को रोकने के लिए सीएए जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में ममता ने घसपैठियों को वोटर बनाने के अवैध सेंटर खोल दिए हैं। अमित शाह ने याद दिलाया कि ममता जब सत्ता में नहीं थीं



विश्व विकलांग दिवस पर विशेष

उनके लिए विकलांग शब्द की जगह

को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे

उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार

व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं।

विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री

मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को

दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का

उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है।आज

भी समाज के लोगों द्धारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से

दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना

चाहिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों



लेखकः रमेश सर्राफ धमोरा

के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हें समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं। यह एक कडवी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है। दुनिया में 8 प्रतिशत लोग दिव्यांगता का शिकार है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.21 प्रतिशत आबादी यानि 2.68 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की दिव्यांगता से ग्रस्त है। दिव्यांग जनसंख्या में 56 प्रतिशत (1.5 करोड़) पुरुष हैं और 44 प्रतिशत (1.18 करोड़) महिलाएं हैं। दिव्यांगता अभिशाप नहीं

माज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप 🛛 है। शारीरिक अभावों को यदि प्रेरणा बना लिया जाये 📑 के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल 🗔 जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती इसीलिए हर साल 3 दिसंबर के दिन विश्व विकलांग 🛘 है। यदि सोच सही रखी जाये तो अभाव भी विशेषता 👚 मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 🛮 बन जाते हैं। दिव्यांगो का मजाक बनाना, उन्हें कमजोर 🌣 था कि केवल शब्द बदलने मात्र से ही विकलांगों के साथ 🗡 दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस समझना एक भूल और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। होने वाले व्यवहार के तौर तरीके में कोई बदलाव नहीं कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 दिसंबर 2015 को अपने आएगा। सबसे बड़ी जरुरत विकलांगों से जुड़े अपयश, कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को रेडियो संबोधन मन की बात में कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक दिव्य क्षमता है और उनके लिए विकलांग शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्धारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा

जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों

में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का

इसी शर्म विषय पर जानकारी लेने मैं गुरूवर श्री

लज्जा प्रसाद शर्म आ (शर्मा) जी से मिला। वे बोले

माना तुम बुद्धिजीवी लगते हो लेकिन यह विषय हमें कुछ

सदी में हैं, पता लगाना एक आवश्यकता बन गयी है कि

यह शर्म अखिर कहां है

ही देखा जाता है।

प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबिल्ड ने प्रधानमंत्री भेदभाव और हाशिए पर डालने के मुद्दों पर ध्यान देने की है। ताकि वो देश की राजनीति के साथ साथ आर्थिक, सामाजिक विकास में बेहतर भागीदारी कर सकें। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग भी हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मुकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुन

सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। भारत में आज भी मायस होना पडता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगो को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते है। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सविधायें पाने से वचिंत रह जाते हैं। सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगों के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगों के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है।





लेखकुःडॉटी महादेव राव

म्स रोज एक शेरोशायरी की पुस्तक पढ़ते झ पढ़ते स रोज एक शरीशायरी की पुस्तक पढ़ते झ पढ़ते अकस्मात मेरे ज्ञानचक्षुओं में एक कंपन्न उत्पन्न हुआ। बोध की प्राप्ति तो दूर अनुसंधान के लिए प्रश्न सा छोड़ गया वह अध्ययन। एक शेर था कयामत बरपा हो जाए जमी मिल जाएआसमां से/ गर एक बार तुम अदा से, शर्म से पलकें गिरा लो। तो इस शेर में आपको कोई विशेषता न नजर आती हो फिर भी मैंने कहा न, ज्ञानचक्षु-। खैर! यह शर्म नामक तत्व या यौगिक क्योंकि यह मिश्रण तो हो ही नहीं सकता, जैसा कि मैं सोचता हूँ। तत्व इसलिए कि किसी सुंदरी कन्या के पास यह हड़प्पा मोहनजोदड़ो के युग में विपुल मात्रा में पाया जाता था। और प्राचीन कन्याएं मिश्रित पदार्थ तो रखती न थीं, केवल शर्म या लज्जा तत्व का रखना ही उनके कन्यात्व का प्रमाण जो होता था, यौगिक इसलिए कि आजकल की युवतियां चाहे वे विवाहित हों अथवा अविवाहित, घूँघट तो दूर नजरें नहीं झुकातीं। समानता का समर्थक भई, मैं भी हूँ। हां!लड़के जरूर झुका लिया करते हैं नजरें। अपनी प्रेमिका के सामने बेरोजगार प्रेमी तो कभी-

कभी ही नजरें झुकाता है किन्तु विवाहित पुरुष उधर बॉस से लेकर इधर बीवी तक अपनी आंखें नीची किए शर्मसार हो जाता है। जो तत्व पहले कन्याओं के पास था आज के रोबोट युग में खड़े प्रेमी या पित के पास स्थानांतरित होकर यौगिक बन गया अब इसे भौतिक विधियों द्वारा अलग करना असंभव हो गया है। इसी शर्म विषय पर जानकारी लेने मैं गुरुवर श्री लज्जा प्रसाद शर्म आ (शर्मा) जी से मिला। वे बोले झ बड़े निर्लज्ज हो? यह भी कोई शोध का विषय है ? माना तुम बुद्धिजीवी लगते हो लेकिन यह विषय हमें कुछ जचता नहीं। मैंने कहा- किन्तु गुरूवर! आप तो जानते ही हैं कि हम भारतीय आजकल लोककला और संस्कृति के प्रति कुछ अधिक ही सचेत व संवेदनशील हो गए हैं। यह तो आज जबकि हम अपनी सारी विकट समस्याओं के साथ इक्कीसवीं सदी में हैं, पता लगाना एक आवश्यकता बन गयी है कि यह शर्म अखिर कहां है? मुझे आज्ञा दीजिये गुरूदेव एकलव्य से अंगूठा लेकर

भांति मंदस्मित करते हुए उन्होंने कहा-जाओ ! अर्जुन जैसे शिष्य! शर्म का पता लगाओ! पहले मुझे पुष्पवल्लरियों से लिपटी शकुंतला (अभिज्ञान शकुंतलम की नायिका) का स्मरण हो आया। सबसे पहले मैंने काव्य नायिका के घर को ढूंढ़ना जरूरी समझा, क्योंकि शर्म अधिकतर काव्य में ही प्रयुक्त हुआ करता था, वह भी विशेषकर नायिका के संदर्भ में। एक स्थान पर लता लतिकाएं, पुष्पकलिकाओं युक्त सुंदर वाटिका सहित भवन दिखा जिसे आधुनिक भाषा में बंगला कहते हैं। मुझे लगा कालीदास की शकुंतला यहीं मिलेगी- मैं अनायास बढ़ा। बैठका (ड्राइंगरूम) का दरवाजा खुला था। मैं द्वार पर खड़े रसोईघर (किचन) के दृश्य को अच्छी तरह देख सकता था क्योंकि वही दो प्राणी जो मानव योनि में जन्मे थे आंग्ल चलचित्र का दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। एक षोड़शी कन्या तीन इंच का घाघरा (स्कर्ट का अनुवाद कुछ चुभता है, फिर भी बांह विहीन (स्लीवलेस का अनुवाद भी कितना कठोर है) चोली पहने, उसे धनुर्विद्या प्रवीणता पर अंगूठा दिखाने वाले द्रोण की एक युवक जो कपड़ों और चेहरे से बावर्ची जान पड़ता था,

से लिपटी अपने अधरों से उसके अधरों का मिलाप करने का प्रयास कर रही थी बेचारा रसोइया उस कामुक कामिनी की इस प्रक्रिया से आयकर छापों से घबराने वाले आबकारी अधिकारियों की तरह घबरा रहा था। मुझे लगा भारत में साम्यवाद का आगमन हो गया है। मैंने खॉस खँखार कर अपनी उपस्थिति का आभास कराया। झट से वह बावर्ची रसोई में, और वह कन्या उसी शाकुंतलीय परिधान में मेरे समक्ष प्रगट हुई, कमर पर हाथ धरे, सीना ताने : जैसे किसी फिल्म में खलनायक को ललकारते नायक खड़ा होता है। लज्जा नम्रता तो दूर, भौंकने वाले अंदाज में पूछा-क्या है एक विषय पर खोज करने आया हूं आपसे कुछ बातें करन चाहता हूँ। नहीं अपने पास फालतू बकवास सुनने, कहने का टाईम नहीं है. झिफर कुछ रुककर सोचती हुई कर्कशा ने कहा लाइन, वाइन का चक्कर तो नहीं हाँ अरे हरी। देखना तो यह आदमी मुझे लाईन मारने आया है और वह बावर्ची सह प्रेमी हरी आता इससे पहले मैं मुहावरा लाइन मारना की भारतीयता पर लज्जाग्रस्त होता हुआ



दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना क्या है? इसका उद्देश्य क्या है? इससे किसको लाभ मिलेगा?

दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना :डे यानी डीएवाईद्ध केंद्र में सत्तारूढ नरेंद्र मोदी सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना हैए जिसका उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से स्थायी आजीविका के अवसरों को बढाकर शहरी और ग्रामीण गरीब लोगों का उत्थान करना है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने शहरी और ग्रामीण गरीबों के लिए दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना का आरंभ विगत 25 सितंबर 2014 को किया। इस योजना का उद्देश्य कौशल विकास और अन्य उपायों के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि कर शहरी और ग्रामीण गरीबी को कम करना है। बता दें कि दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना के दो घटक हैंह एक शहरी भारत के लिए और दूसरा ग्रामीण भारत के लिए। शहरी



www.parivahanvishesh.com

एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय करता हैए जबकि ग्रामीण घटकए जिसका नाम दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना हैए का कार्यान्वय केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है। स्मरण रहे कि इस आशय की प्रारंभिक योजना ष्स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनाष् :एसजीएसवाईद्ध 1999 में शुरू की गई थी। वहींए 2011 में इसका नाम बदलकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कर दिया गया। अंत

घटक का कार्यान्वयन केंद्रीय आवास में उन्हें डीडीयू.एवाई ;डीडीयू.एवाईद्ध में मिला दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिकए मेक इन इंडिया के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सामाजिक आर्थिक बेहतरी के लिए हर व्यक्ति का कौशल विकास आवश्यक है। इसलिए दीन दयाल अंत्योदय योजनाए आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन ;एचयूपीएद्ध मंत्रालय के तहत शुरू की गई थी। भारत सरकार ने इस योजना के लिए 500 करोड रुपये का प्रावधान किया है। यह योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन

;एनयूएलएमद्ध और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ;एनआरएलएमद्ध का एकीकरण है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन ;एनयूएलएमद्ध का नाम बदलकर दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना ;डीएवाई.एनयूएलएमद्ध कर दिया गया हैए जिसे हिंदी में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन करार दिया जाता है। इस योजना के तहत शहरी क्षेत्र यानी सभी 4041 वैधानिक शहरों और कस्बों तक कवरेज करने का प्रयत्न किया गया हैए जिसमें लगभग पूरी शहरी आबादी शामिल होती है। प्रारम्भ मेंए सभी शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम केवल 790 कस्बों और शहरों को कवर पाते थे।

 डे.एनयूएलएम के मिशन के बारे में जानिए शहरी गरीब परिवारों को लाभकारी स्व.रोजगार और कुशल मजदुरी रोजगार के अवसरों तक पहुंचने में सक्षम बनाकर उनकी गरीबी और भेद्यता को कम करना

इस योजना का लक्ष्य हैए जिसके परिणामस्वरूप जमीनी स्तर पर मजबूत निर्माण के माध्यम से स्थायी आधार पर उनकी आजीविका में सराहनीय सुधार होगा। वहींए इस मिशन का लक्ष्य शहरी बेघरों को चरणबद्ध तरीके से आवश्यक सेवाओं से सुसज्जित आश्रय प्रदान करना भी होगा। यह योजना उभरते बाजार के अवसरों तक पहुंचने के लिए शहरी स्ट्रीट वेंडरों को उपयुक्त स्थानए संस्थागत ऋण और सामाजिक सुरक्षा और कौशल की सुविधा प्रदान करके शहरी स्ट्रीट वेंडरों की आजीविका संबंधी चिंता का भी समाधान करती है।

• डे.एनयूएलएम के घटक के बारे में जानिए इस योजना के दो घटक हैं एक शहरी भारत के लिए और दसरा ग्रामीण भारत के लिए। दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना

और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता हैए जबकि दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना नामक ग्रामीण घटक को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। यह मिशन चार मुख्य घटकों में निवेश के माध्यम से अपने उद्देश्य को प्राप्त करना चाहता हैए ;एद्ध ग्रामीण गरीब महिलाओं के स्व.प्रबंधित और वित्तीय रूप से टिकाऊ सामुदायिक संस्थानों की सामाजिक गतिशीलता और प्रचार और मजब्रुतीय ;बीद्ध वित्तीय समावेशनय ;सीद्ध टिकाऊ आजीविकाय और ;डीद्ध सामाजिक समावेशन।

• ये हैं डे.एनयूएलएम योजना की मख्य बातें पहलीए कौशल प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के माध्यम

गरीबों के प्रशिक्षण पर प्रति व्यक्ति 15ए000 रुपये के व्यय की अनमति हैए जबकि उत्तर पूर्व और जम्मू.कश्मीर में शहरी गरीबों के प्रशिक्षण पर प्रति व्यक्ति 18ए००० रुपये के व्यय की अनुमित है। इसके अलावाए शहरी गरीबों को शहरी आजीविका केंद्रों के माध्यम से बाजार.उन्मुख कौशल प्रदान करके शहरी नागरिकों की भारी मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित करना है। दुसरीए सामाजिक गतिशीलता और विकास संस्थान के माध्यम से सदस्यों को प्रशिक्षण देने और सहायता प्रदान करने के लिए स्वयं सहायता समूहों ;एसएचजीद्ध के गठन किया जाएगाए जिनके माध्यम से प्रत्येक समूह के लिए 10ए000 रुपये की सहायता का प्रारंभिक समर्थन दिया जाता है।

को 50ए000 रुपये प्रदान किये जाते हैं। तीसरीए शहरी गरीबों को सब्सिडी देने के तहत 2 लाख तक के ऋण के साथ व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए 5:.7: की ब्याज सब्सिडी और 10 लाख रुपये तक की ऋण सीमा के साथ समूह उद्यमों के लिए प्रोत्साहन दिए जाते हैं। चौथीए शहरी बेघरों के लिए आश्रय देने के लक्ष्य के तहत शहरी बेघरों के लिए आश्रयों के निर्माण की लागत पुरी तरह से इस योजना के तहत वित्त पोषित है। पांचवींए अन्य साधन के तहत विक्रेता बाजारों का विकास और कचरा बीनने वालों और दिव्यांगों आदि के लिए बुनियादी ढांचे और विशेष परियोजनाओं की स्थापना के माध्यम से विक्रेताओं के लिए कौशल को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त खबरें

२००० रुपये के ९७.२६% नोट बैंकिंग सिस्टम में लौटे, क्या बचे नोटों को खाते में जमा किया जा सकता है?

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार जिस दिन २००० रुपये के नोटों को वापस लेने का फैसला लिया गया यानी १९ मई २०२३ को चलन में ३.५६ लाख करोड़ रुपये के 2000 के नोट मौजूद थे। वहीं ३० नवंबर के दिन बाजार में करीब 9,760 करोड़ रुपये के नोट शेष रह गए। २००० रुपये के नोट जमा करने और बदलने की आखिरी तिथि के दो महीने बाद बाजार में अब भी 2.7% नोट बचे हुए हैं।इसका मतलब है कि आरबीआई की ओर से 2000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा के बाद अब तक करीब ९७७.२६ प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। बैंकों में 2000 रुपये के नोट जमा करने या बदलने की आखिरी तारीख अक्तूबर ७ (शनिवार) थी। १९ मई २०२३ को केंद्रीय बैंक ने लिया था 2000 के नोट वापस लेने का फैसला

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार जिस दिन २००० रुपये के नोटों को वापस लेने का फैसला लिया गया यानी १९ मई २०२३ को चलन में ३.५६ लाख करोड़ रुपये के २००० के नोट मौजूद थे। वहीं 30 नवंबर के दिन बाजार में करीब 9,760 करोड़ रुपये के नोट शेष रह गए। आरबीआई के 19 इश्यू कार्यालय से बदल सकते हैं 2000 के नोट बता दें कि 2000 रुपये के नोटों को जमा करने या बदलने की आखिरी तारीख समाप्त होने के बाद भी

आरबीआई के 19 इश्यू कार्यालय से बदला या अपने खाते में जमा किया जा सकता है।एक बार में आप २००० रुपये के १० नोट बदलवा सकते हैं। इंडिया पोस्ट के जरिए भी आरबीआई को भेज सकते हैं 2000 के नोट आरबीआई के ये इश्यू ऑफिस अहमदाबाद, बंगलूरू, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम हैं।आम लोग २००० रुपये के नोट इंडिया पोस्ट के जरिए भी आरबीआई के इश्यू कार्यालय को भेजकर अपने खातें में जमा करवा

पीएम विश्वकर्मा योजनाः जानिये इसके लाभ और इसकी पात्रता एक उत्प्रेरक है। इसका लक्ष्य योजना गणवत्ता प्रमाणनए अमुल्य अवसर प्राप्त होगा।यह

 उससे अधिक समय तक चलने वाले उन्नत प्रशिक्षण सत्र में भाग लेंगेए जिसके दौरान उन्हें प्रति दिन ५०० का वजीफा मिलेगाए जैसा कि प्रस्तुति में बताया गया

परिवहन विशेष न्यूज

कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को ई.वाउचर या ईआरयूपीआई के माध्यम से टूलिकट प्रोत्साहन के रूप में प्रत्येक को 15ए000 मिलेंगे। इसके अतिरिक्त उन्हें कम ब्याज दर पर संपार्श्विक.मुक्त उद्यम विकास ऋण भी मिल संकता है। अतिरिक्त लाभ के रूप में कारीगरों को प्रत्येक लेनदेन के लिए 1 मिलेगाए प्रति माह 100 लेनदेन की अधिकतम सीमा के साथए जैसा कि सूक्ष्मए लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा तैयार एक

प्रस्तुति में बताया गया है। बुनकरोंए सुनारोंए लोहारोंए कपडे धोने वाले श्रमिकों और नाई जैसे समुदायों से आने वाले कारीगर शिल्पकार जो बड़े पैमाने पर ओबीसी समुदाय से संबंधित हैंए उन्हें एक व्यापक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद कौशल सत्यापन चरण से गुजरना

इसके बाद वे 15 दिनों या उससे अधिक समय तक चलने वाले

उन्नत प्रशिक्षण सत्र में भाग लेंगेए जिसके दौरान उन्हें प्रति दिन 500 का वजीफा मिलेगाए जैसा कि प्रस्तुति में बताया गया है। विश्वकर्मा योजना के लाभ

• प्रशिक्षण और कौशल संवर्धनरू पारंपरिक कारीगरों को व्यापक 5.दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अपने कौशल को बढाने का एक प्रशिक्षण बढईए दर्जीए टोकरी बुनकरए नाईए सुनारए लोहारए कुम्हारए हलवाईए मोची और अन्य लोगों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है जो उन्हें उन्नत तकनीकों और ज्ञान से सशक्त

• वित्तीय सहायतारू यह योजना प्रशिक्षण से आगे बढकर 10ए000 रुपये से 10 लाख रुपये तक की पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह मौद्रिक सहायता लाभार्थियों को अपने प्रयासों को शुरू करने और अपने व्यवसायों का विस्तार करने में सक्षम बनाती हैए जिसके परिणामस्वरूप

आजीविका में सुधार होता है। • रोजगार के अवसररू पीएम विश्वकर्मा योजना रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए

आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए सालाना लगभग 15ए000 व्यक्तियों के लिए रोजगार पैदा करना है।

• ऑनलाइन आवेदन प्रक्रियारू इच्छुक लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन करके योजना तक आसानी से पहुंच सकते हैं। यह आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाता है और यह सुनिश्चित करता है कि योग्य उम्मीदवार आसानी से योजना का लाभ उठा सकें।

• पूर्ण लागत कवरेजरू राज्य सरकार विश्वकर्मा योजना के तहत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पूरी लागत को कवर करने की जिम्मेदारी लेती है। यह सुनिश्चित करता है कि कारीगर बिना किसी वित्तीय बोझ के उच्च गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। यह गतिविधियों के लिए 250 करोड़ का फंड भी आवंटित करती है। इस योजना को 16 अगस्त को आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ;सीसीईएद्ध से मंजूरी मिलीए जिसमें वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 28 तक की पांच साल की अवधि के लिए कुल 13ए000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। इसमें बताया गया है कि कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आईडी कार्ड के रूप में मान्यता मिलेगीए साथ ही पहली किश्त में 1 लाख और दुसरी किश्त में 2 लाख की ऋण सहायता भी 5: की दर की रियायती ब्याज पर मिलेगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है

ब्रांडिंगए विज्ञापनए प्रचार और

अन्य विपणन प्रयासों जैसी

कि रियायती ब्याज दर 8: तक की ब्याज सबवेंशन कैप के अधीन होगी और एक क्रेडिट ओवरसाइट समिति प्रचलित ब्याज दरों के अनुसार सबवेंशन कैप को समायोजित कर सकती हैए जैसा कि प्रस्तुति में कहा गया है। योजना के लिए पात्रता योजना के लिए पात्र होने के लिए आवेदकों को कम से कम 18 वर्ष की आयु सहित कुछ मानदंडों को पूरा करना होगा। उन्होंने पहले प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ;पीएमईजीपौद्धए प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर की आत्मनिर्भर निधिए मुद्रा योजनाए या किसी अन्य समान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं जैसे तुलनीय क्रेडिट.आधारित स्व.रोजगार पहल के माध्यम से पिछले पांच वर्षों के भीतर कोई ऋण नहीं लिया हो।

निवेश अवसर जो आपको टैक्स बचाने में मदद करते हैं

भारत में कर.बचत निवेश व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए वित्तीय योजना का एक अभिन्न अंग है। आयकर अधिनियमए 1961 के तहत धारा 80सीए 80डीए 80सीसीडी :1बीद्धए 24:बीद्धए 80टीटीए६80टीटीबीए और 10 ;10डीद्ध व्यक्तियों द्वारा उपयोग की जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण कर.बचत धाराएं हैं।इन निवेशों के लिए रणनीतिक रूप से धन आवंटित करकेए करदाता न केवल अपनी कर देनदारियों को कम कर सकते हैं बल्कि समय के साथ धन का निर्माण भी कर सकते हैं। हालाँकि बाजार में विभिन्न प्रकार के कर.बचत निवेश उपलब्ध हैंए लेकिन लोग अक्सर इस बात को लेकर भ्रमित हो जाते हैं कि कौन सी योजना उनके लिए सबसे उपयुक्त है। आयकर अधिनियमए 1961 के तहत सर्वोत्तम कर.बचत निवेशों की निम्नलिखित तालिका आपको अपनी जोखिम क्षमता और प्राथमिकताओं के



अनुसार सर्वोत्तम निवेश योजना चुनने में

 पीपीएफ ;पब्लिक प्रॉविडेंट स्कीमद्ध पब्लिक प्रोविडेंट स्कीम टैक्स बचाने के लिए एक लोकप्रिय निवेश माध्यम है।एक दीर्घकालिक बचत सह निवेश उत्पादए शुरूआत के लिए आपको डाकघर या सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की नामित शाखाओं में एक पीपीएफ खाता खोलना होगा। पीपीएफ खाते में योगदान पर ब्याज की गारंटी दर मिलती है। आप इन जमाओं पर एक वित्तीय वर्ष में धारा

की कटौती का दावा कर सकते हैं। • सावधि जमा आप टैक्स सेवर

फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करके टैक्स बचा सकते हैं जो आपको भारतीय आयकर अधिनियमए 1961 की धारा 80सी के तहत कर कटौती दिला सकता है। आप टैक्स सेवर फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करके अधिकतम 1ण्5 लाख रुपये की कटौती का दावा कर सकते हैं। ऐसी एफडी के लिए 5 साल की लॉक.इन अवधि होती है और अर्जित ब्याज कर योग्य होता है। ब्याज दर आमतौर पर 55: . 775: के बीच

होती है। • कर्मचारी भविष्य निधि ;ईपीएफद्ध कर्मचारी भविष्य निधि ;ईपीएफद्ध भारत में एक सरकार समर्थित बचत योजना है जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करना है। प्रमुख कर.बचत निवेशों में से एक

विस्तार करने में मदद प्रदान करने

के उद्देश्य से बनाया गया था।

नियोक्ताओं दोनों को कई लाभ प्रदान

• वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना :एससीएसएसद्ध 60 वर्ष से अधिक आय के व्यक्तियों के लिए एक सरकार प्रायोजित बचत साधन है जो सेवानिवृत्ति के बाद के चरण के लिए आय का एक स्थिर और सुरक्षित स्रोत देता है और तुलनात्मक रूप से पर्याप्त रिटर्न प्रदान करता है। एससीएसएस खाते में जमा की गई मूल राशि आयकर अधिनियमए 1961 की धारा 80 सी के तहत 1ण्5 लाख रुपये की सीमा तक कर कटौती के योग्य होती है। प्राप्त ब्याज संबंधित करदाता के लागू स्लैब के

अनुसार कराधान के अधीन है। • यूलिप ;यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लानद्ध यूलिप दीर्घकालिक निवेश उत्पाद हैं जो आपको इक्विटी फंडए देते हैं। युलिप आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनरूप फंडों के बीच स्विच करने की सुविधा देता है। युलिप में निवेश करके आप आयकर अधिनियमए 1961 की धारा 80सी और 10;10डीद्ध के तहत टैक्स बचा

सकते हैं। • सुकन्या समृद्धि योजना ;एसएसवाईद्ध सुकन्या समृद्धि योजना ;एसएसवाईद्ध एक सरकार समर्थित बचत योजना है जो आकर्षक कर लाभ प्रदान करती है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के कल्याण को बढ़ावा देना और माता. पिता को अपनी बेटी की शिक्षा और शादी जैसे भविष्य के खर्चों के लिए बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसे श्बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओश अभियान के हिस्से के रूप में एक छोटी जमा योजना के रूप में लॉन्च किया गया था। हालाँकिए वेतनभोगी लोगों का एक बड़ा प्रतिशत भी इसे

निवेशों में से एक मानता है।

• राष्ट्रीय पेंशन योजना ;एनपीएसद्ध राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली :एनपीएसद्ध एक सरकार प्रायोजित पेंशन योजना है जो व्यक्तियों को अपनी सेवानिवृत्ति के लिए योजना बनाने और बचत करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई कर लाभ प्रदान करती है। एनपीएस को भारत में प्रमुख कर.बचत निवेशों में से एक के रूप में भी व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। एनपीएस में किया गया योगदान आयकर अधिनियम की धारा ८०सीसीडी के अंतर्गत आता है।धारा 80सीए 80सीसीसी के साथ इस धारा के तहत कटौती की कुल सीमा 1ण्5 लाख रुपये से अधिक

नहीं हो सकती। • राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र ;एनएससीद्ध राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र एक सुरक्षित निवेश विकल्प है जो कर लाभ प्रदान

करता है। यह उन निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो गारंटीड रिटर्न के साथ दीर्घकालिक निवेश की

तलाश करते हैं। जीवन बीमा योजना जीवन बीमा पॉलिसियाँ मूल्यवान वित्तीय उपकरण हैं जो आपके प्रियजनों को मानसिक शांति प्रदान कर सकती हैं और आपके कर.बचत निवेश को बढा सकती हैं। ये वित्तीय साधन न केवल आपके जीवन का बीमा करने में मदद करते हैं बल्कि आपको लंबी अवधि में धन बनाने में भी सक्षम बनाते हैं।

• इक्विटी.लिंक्ड सेविंग स्कीम ;ईएलएसएसद्ध म्यूचुअल फंड ईएलएसएस म्यूचुअल फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी और इक्विटी.लिंक्ड प्रतिभूतियों में निवेश करता है। यह व्यक्ति को कर.बचत निवेश के साथ. साथ पूंजी वृद्धि की संभावना भी प्रदान करता है।

महिला उद्यमियों के लिए व्यवसायिक ऋण लेने के विभिन्न अवसर हैं मौजू ब

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार पिछले कई वर्षों से महिला सशक्तिकरण के उपाय कर रही है। इसी नजरिए से वह महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही है और योग्य महिलाओं को मुक्त हस्त से व्यवसायिक ऋण प्रदान कर रही है। हालांकि महिलाओं के लिए कोई भी व्यवसाय शुरू करना उतना आसान नहीं है जितना कि वह बाहर से दिखता है। ऐसा इसलिए कि प्रत्येक व्यवसाय के लिए, वित्तपोषण एक प्रमुख भूमिका निभाता आया है, जो किसी भी व्यवसाय का मूल आधार है। यद्यपि कुछ लोगों को शुरूआती चरण में वित्तीय सहायता नहीं मिल सकती है। इसीलिए व्यवसाय ऋण के अवसर उन चुनिंदा महिलाओं को दिए जाते हैं जो व्यवसाय शुरू करने की इच्छुक हैं, मेहनती हैं और दूरदर्शी हैं। वैसे भी अपने देश में महिला उद्यमियों की संख्या पुरुषों के मुकाबले कम है। बहुत कम महिलाएँ ऐसी हैं, जो व्यवसाय शुरू करने का जब विचार करती हैं तो उन्हें अपने घर से पर्याप्त वित्तीय सहायता मिलती है। लिहाजा, इस समस्या को महसूस करते हुए ही उसे हल करने के लिहाज से, विभिन्न बैंक उन महिलाओं के लिए विशेष ऋण योजनाएं लेकर आए हैं जो अपना व्यवसाय खुद के दम शुरू करना चाहती हैं और अपने व्यवसाय का विस्तार के लिए समुचित वित्तीय सहायता

वजह यह कि बैंकों का मुख्य लक्ष्य



होने में मदद करना है। साथ ही अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को उनके व्यावसायिक विचारों एवं सपनों को वास्तविकता में लाने में लक्षित मदद करना है। इसलिये यहां पर मैं महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न व्यवसायिक ऋण योजनाओं का उल्लेख किया है, जो महिला उद्यमियों को वित्तीय रूप से सक्षम बना सकती हैं। इनका लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं या फिर अपने व्यवसाय का विस्तार करने के उपलब्ध अवसरों का फायदा उठाने की तलाश में हैं।

• भारत में महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध दस व्यवसायिक ऋण योजनाएं इस प्रकार हैं

पहली, 'सेंट कल्याणी योजना' सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा उन महिला उद्यमियों को समर्थन देने और उनके द्वारा व्यवसायों को और स्टार्टअप को शुरू करने के लिए ऋण की पेशकश प्रस्तुत की गई है, जो इसकी इच्छुक हैं। यह ऋण पूरी तरह से उन महिलाओं पर केंद्रित है जो अपना छोटा-सा व्यवसाय महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र शुरू करना चाहती हैं और अपने बल

पर अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं। बैंक अधिकारियों के मुताबिक, यह एक संपार्श्विक मुक्त ऋण है जिसमें शून्य प्रसंस्करण शुल्क है। खासकर जो महिलाएं कृषि उद्योग में हैं, उन खुदरा बिक्री कंपनियां में हैं, जो सरकार द्वारा समर्थित हैं और जिनका काम एमएसएमई श्रेणी के अंतर्गत आता है, वे इस ऋण का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं। महिला उद्यमियों के लिए सेंट कल्याणी योजना की ऋण सीमा 1 करोड यानी 100 लाख होगी।

 भारतीय महिला बैंक द्वारा महिलाओं को दो ऋण विकल्प-'श्रृंगार' और 'अन्नपूर्णा' प्रदान किए गए हैं, जो महिला उद्यमियों को बड़े पैमाने पर ऋण योजना सहायता प्रदान करती हैं, ताकि उनके व्यवसायों के लिए कभी धन की किल्लत नहीं हो। बैंक अधिकारियों के मुताबिक, इन दोनों बहुचर्चित ऋण योजनाओं को महिलाओं को एक नया स्टार्टअप ब्रांड बनाने में मदद करने के साथ-साथ उनके मौजूदा व्यवसाय का

जिसके तहत एक महिला उद्यमी अपने व्यवसाय की स्थापना और उसके विस्तार के लिए 20 करोड़ रुपये तक की ऋण राशि का दावा कर सकती हैं। विस्तार पूर्वक आपको बता दें कि श्रृंगार ऋण मुख्य रूप से सौंदर्य उद्योग से जुड़ी मेहनती महिलाओं के लिए है जो अपना ब्यूटी पार्लर या इससे मिलता जलता काम स्थापित करना चाहती हैं या फिर अपने स्थापित व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं। वहीं, अन्नपूर्णा ऋण खानपान व्यवसाय में महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए है, जो उन्हें अपने खानपान व्यवसाय के लिए आवश्यक उत्पाद और उपकरण खरीदने की अनुमित देता है, जैसे-बर्तन, वाहन प्रबंधन आदि। वहीं, यह योजना उन महिलाओं को भी ऋण प्रदान करती है जो पैक किए गए खाद्य पदार्थ बेचते हैं, जिससे उन्हें अच्छी खासी आय होती है। यह ऐसा व्यवसाय है जो ज्यादातर गृहिणियां कर पाती हैं। महिलाओं के लिए ये दोनों ऋण योजनाएं संपार्श्विक-मुक्त हैं जिन्हें सीजीटीएमएसई योजना के तहत कवर किया जाएगा। वहीं, श्रृंगार और अन्नपूर्णा योजना के लिए ऋण सीमा 20 करोड़ होगी, जिसका सदुपयोग करके कोई भी। महिला खुद भी आगे बढ़ सकती है और

कई महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें सशक्त भी कर सकती है।

• महिला उद्यम निधि योजना पंजाब नेशनल बैंक द्वारा पेश की गई है, जिसका उद्देश्य एमएसएमई को बढ़ावा देना और इससे जुड़े उद्यमों की मदद करना है। खासकर महिला उद्यमियों द्वारा चलाए जाने वाले लघु उद्योगों का समर्थन करना है। जो महिलाओं के व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए ब्यूटी पार्लर, ऑटो-रिक्शा और अन्य वाहन स्थापित करने सहित विभिन्न ध्येय के लिए महिलाओं के लिए ऋण योजनाएं पेश करते हैं। जिन्हें चुकाने के लिए उनको 10 साल तक का समय दिया जाता है। महिला उद्यम योजना के लिए ऋण सीमा 10 लाख तक है।

 स्त्री शक्ति पैकेज महिला उद्यमियों के लिए एसबीआई द्वारा अपनी अधिकांश शाखाओं में दी जाने वाली कतिपय आकर्षक ऋण योजनाओं में से एक है। बशर्ते कि ऋण इच्छुक महिला के पास सम्बंधित व्यवसाय में कम से कम 50 प्रतिशत स्वामित्व होना चाहिए। बता दें कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने में मदद करना है, जिसका वो भरपूर लाभ उठा रही हैं।

• प्रधानमंत्री रोजगार योजना महिला उद्यमियों को आर्थिक रूप से समर्थन देने के लिए पेश की जाती

एवं सेवाओं से जुड़ी महिलाओं के लिए फायदेमंद है। यह योजना मुख्य रूप से महिलाओं के लिए स्व-रोजगार के अवसर पैदा करने पर केंद्रित है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना में कृषि यानी खेती-बाड़ी सहित उपलब्ध सभी प्रकार के व्यवसाय विकल्प शामिल हैं। खास बात यह कि यह योजना सबसे महत्वपर्ण रूप से प्रति महिला 12,500 रुपये की अधिकतम राशि के साथ परियोजना लागत का 15 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करती है। प्रधानमंत्री रोजगार योजना में व्यवसाय क्षेत्र के लिए ऋण सीमा 2 लाख और सेवाओं तथा उद्योग आधारित स्टार्टअप और कंपनियों के लिए ऋण सीमा 5 लाख तक है। बहुत

है, जो सभी उद्योगों, नए उद्यमों

• भारत सरकार द्वारा महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना शुरू की गई है।जिसके तहत एमएसएमई और एसएमई को समर्थन देने के लिए महिलाओं को ऋण योजनाओं की पेशकश की जाती है, जो ऋण संपार्श्विक-मुक्त हैं। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना विभिन्न व्यवसायों के लिए शिशु, किशोर और तरूण नामक तीन अलग-अलग योजनाएं

प्रदान करती है। हालांकि इसके

सी महिलाएं इसका लाभ उठा रही

लिए आवेदक की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मद्रा योजना के लिए ऋण सीमा 10 लाख तक है, जिसका महिला भरपूर लाभ ले

• उद्योगिनी योजना ग्रामीण क्षेत्रों की महिला उद्यमियों तथा गांवों की अशिक्षित महिलाओं का समर्थन करने के लिए बनाई गई थी। जिसे महिला विकास निगम द्वारा विभिन्न ऋण विकल्पों की पेशकश करके लागू किया गया था। इस योजना के मार्फत वे महिलाओं के बीच उद्यमिता, वित्तीय स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का समर्थन करने पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। हालाँकि, इस विकल्प का लाभ वे लोग ही उठा सकते हैं जिनकी पारिवारिक आय सालाना 1.5 लाख या उससे कम है। ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र आयु सीमा 18 से 55 वर्ष है। इस योजना के लिए

ऋण सीमा 3 लाख तक है। • ओरिएंट महिला विकास योजना ओरिएंटल बैंक द्वारा पेश की गई है। यह उन महिला उद्यमियों के लिए ऋण की पेशकश है जो अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहती हैं। इस ऋण के लिए उनके पास व्यवसाय में कम से कम 51% शेयर पूंजी होनी चाहिए। इस ऋण के लिए किसी संपार्श्विक शुल्क की आवश्यकता नहीं है। वहीं ऋण चुकाने की अवधि 7 वर्ष है।

योजना है, जो महिला उद्यमियों को भारत में उनके व्यवसाय में मदद करने के लिए ऋण योजनाएं प्रदान करते हैं। यह विनिर्माण, कृषि क्षेत्र और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में महिला उद्यमियों के लिए दी जाने वाली ऋण योजनाओं में से एक है। वहीं, जो महिलाएं एमएसएमई से जुड़ी हैं वे भी इस ऋण का लाभ उठाने के लिए पात्र हैं। इस योजना के तहत ब्याज दर पर 0.25% की रियायती दर लागू की जाती है। कृषि, एमएसएमई और विनिर्माण और खुदरा उद्यमों के लिए देना शक्ति योजना की ऋण सीमा 20 लाख तक है।

देना शक्ति योजना देना बैंक की

 सिंडिकेट बैंक द्वारा सिंड महिला शक्ति योजना महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके तहत छोटे व्यवसाय मालिकों. खुदरा व्यापारियों और स्व-रोजगार वाली महिलाओं को ऋण सुविधा द्वारा प्रदान किया जाता है। जो महिलाएं अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहती हैं या फिर अपना कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं, वे इस ऋण के लिए आवेदन कर सकती हैं। यह महिलाओं के लिए ऋण देने वाली योजनाओं में से एक है जो अपने आवेदकों को मुफ्त क्रेडिट कार्ड प्रदान करती है। सिंड महिला योजना की लोन सीमा 5 करोड़ तक है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू बोले-एड्स पीड़ित बच्चों के लिए बजट में आएगी नई योजना

उन्होंने कहा कि आगामी बजट में सरकार विधवाओं और दिव्यांग बच्चों के लिए भी एक योजना लाने जा रही है।

परिवहन विशेष न्यूज, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लेट कम्युनिटीलीड नामक विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय विश्व एड्स दिवस समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आने वाले बजट में एड्स पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए एक योजना लेकर आएगी, जिसमें ऐसे बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करने और उन्हें मुख्य धारा में शामिल करने के प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि पहले समाज में एडस ग्रसित व्यक्ति को घणा



www.parivahanvishesh.com

कारण आज एड्स के प्रति समाज के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। उन्होंने आह्वान किया कि बीमार अपनी बीमारी न छुपाएं, बल्कि समाज के सामने स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि एड्स पीडित व्यक्तियों की सहायता के लिए वर्तमान राज्य सरकार हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि आगामी बजट में सरकार विधवाओं और दिव्यांग बच्चों के लिए भी एक योजना लाने जा रही है।दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई के लिए एक अच्छा स्कल और कॉलेज व्यवस्था की गई है तथा इसके लिए

खोलने पर भी सरकार विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उस वर्ग की आवाज बन रही है, जो सहज अपनी आवाज सरकार तक पहुंचा नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित बच्चों के कल्याण के लिए

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना चलाई गई है। इसके तहत बच्चों के रहने और उनके भरण-पोषण का दायित्व राज्य सरकार का होगा। उन्होंने कहा कि अब 27 वर्ष की आयु तक अनाथ बच्चों को रहने और उनके पालन पोषण के लिए सरकार की ओर से

दिया है। उन्होंने युवाओं से जीवन में सफलता के लिए चुनौतियों का दृढ़ता के साथ सामना करने का आह्वान भी

पहली कक्षा से अंग्रेजी की कक्षाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधार लाने जा रही है। अगले शैक्षणिक सत्र से सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से अंग्रेजी की कक्षाएं शुरू करेंगे। स्कूलों में शिक्षक उपलब्ध करवाए जाएंगे व खेल की सुविधाएं बढाई जाएंगी। इसके साथ राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल भी खोले जा रहे हैं। सरकारी शिक्षण संस्थानों में गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार वचनबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार गेस्ट फेकल्टी लेक्करर लगाने पर विचार कर रही है। इसके साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नए समय से कोर्स शुरू किए गए हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव करने जा रही है, ताकि प्रदेश के लोगों को राज्य में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें। सुक्खू ने कहा कि सीमित संसाधनों और कर्ज का भारी बोझ होने के बावजूद राज्य सरकार चार साल में हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएगी और 10 वर्षों में हिमाचल प्रदेश देश का सबसे समृद्ध राज्य होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए कड़े फैसले कर रही है, जिनके

इन संस्थानों को मिले पुरस्कार इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के दौरान एचआईवी एड्स को फैलने से रोकने में, बहमुल्य योगदान देने पर विभिन्न संगठनों को पुरस्कार प्रदान किए। स्टैंड अलोन इंटीग्रेटेड काउंसलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर ऊना, डॉ. राधा कृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर (एसटीआई क्लीनिक), एआरटी आईजीएमसी शिमला

सकारात्मक परिणाम आने वाले समय

सनराइज-टागेर्टेड इंटरवेंशन प्रोजेक्ट (टीआईपी) ऊना को सर्वश्रेष्ठ सेवा केंद्र के रूप में सम्मानित किया गया। सुक्खू ने जिला बिलासपुर के राजकीय आईटीआई बरठीं. जिला चंबा के राजकीय महाविद्यालय चौरी, जिला हमीरपुर के सिद्धार्थ राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नादौन, जिला कांगड़ा के शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर, जिला किन्नौर के टी.एस. नेगी राजकीय महाविद्यालय रिकांगपिओ, जिला कुल्लू के रामेश्वरी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान शाढ़ाबाई, जिला लाहौल-स्पीति के राजकीय महाविद्यालय कुकुमसेरी उदयपुर जिला मंडी के वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, जिला शिमला के राजकीय महाविद्यालय धामी, जिला सिरमौर के इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस पांवटा साहिब, जिला सोलन के राजकीय महाविद्यालय अर्की और जिला ऊना के राजकीय महाविद्यालय अंब को सर्वश्रेष्ठ रेड रिबन क्लब के

सीसीएसयू में छात्र गुटों के बीच फायरिंग, छात्र नेता को लगी गोली



उधर,घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। इसके बाद सीओ भी मौके पर पहुंचे और पुलिस से मामले की पुरी जानकारी ली।

सीसीएसयू में शुक्रवार को छात्रों को दो गुटों में फायरिंग हो गई। बताया गया कि कलसचिव कार्यालय के नीचे छात्रों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। वहीं, देखते ही देखते फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान एक इससे सीसीएसयू में हड़कंप मच गया। उधर, घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। इसके बाद सीओ भी मौके पर पहुंचे और पुलिस से मामले की पूरी जानकारी ली।

बताया गया कि दोनों गुटों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। वहीं, शुक्रवार को दोनों गुटों के छात्र आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक पक्ष की ओर से एक छात्र ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दूसरे पक्ष के छात्रों ने फायरिंग करने वाले छात्र को दबोच लिया। इसी बीच फायरिंग करने वाले छात्र नेता की जांघ में गोली लग गई।

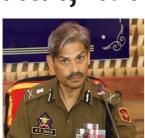
बताया गया कि पिस्टल को घटनास्थल से ही बरामद कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की

डीजीपी बोले- विवाद बढ़ाने वाली सामग्री 16 साल का इंतजार खत्म हुआ, तीन दिन बाद पोस्ट करना अपराध, जल्द बनेगा कानून

जम्मू कश्मीर

वैमनस्य या विवाद को बढ़ावा देने वाली कोई भी पोस्ट करना जल्द ही जम्मू-कश्मीर में अपराध माना जाएगा। आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत इसके लिए एक नया प्रावधान लागू किया जाएगा। एनआईटी के एक छात्र की पोस्ट पर पैदा हुए विवाद के बाद वीरवार को डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि आतंकवादियों, अलगाववादियों या राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा ऐसे संदेश या वीडियो पोस्ट करना अपराध की श्रेणी में लाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 144 के तहत किसी भी प्रकार की सामग्री, संदेश, वीडियो, ऑडियो पोस्ट करने पर एक कानून लाने का फैसला किया है, जो सांप्रदायिक वैमनस्य को भड़काएगा, उसे बख्शा



वार्ता को संबोधित करते कहा कि चाहे वे आतंकवादी हों, अलगाववादी हों या राष्ट्र-विरोधी तत्व ऐसे संदेश और वीडियो पोस्ट करना कानून के मुताबिक अपराध होगा।

कानून पहले फीडबैक के लिए रखा जाएगा सार्वजनिक डोमेन में

डीजीपी ने कहा कि कानून बनने से पहले इसे फीडबैक के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी सामग्री को फॉरवर्ड करने और साझा करने वालों को भी कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। नहीं जाएगा। स्वैन ने जम्मू में पत्रकार स्वैन ने लोगों से ऐसी सामग्री की मिलकर काम करेगी।

शिकायत नजदीकी पुलिस स्टेशन में करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पैगंबर (मुहम्मद) के सम्मान को नुकसान पहुँचाने वाले वीडियो आगे भेजना भी अपराध है। हम ऐसे लोगों को सूचीबद्ध करेंगे। ऐसा काम करने वालों को नुकसान का सामना करना पड़ेगा। डीजीपी ने कहा कि ऐसे वीडियो डर पैदा करते हैं। विवाद में नतीजा किसी अन्य को भुगतना पड़ता

पाकिस्तान के हैंडलर विवादित वीडियो बनाकर करते हैं पोस्ट

स्वैन ने कहा कि पाकिस्तानी सोशल मीडिया हैंडलर ऐसी सामग्री बनाते है और पोस्ट करते हैं। कुछ स्थानीय स्तर पर शरारती तत्व इसे आगे भेज देते हैं, जिससे दिक्कतें खड़ी होती हैं। इससे माहौल खराब होता है। को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे उपद्रवियों को अलग-थलग करने के लिए कश्मीर के लोगों के साथ

इंदौर के मजदूरों को मिलेंगे 425 करोड़ रूपए

मजदूर यूनियन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गिरिश पटवर्धन और धीरजसिंह पंवार ने कोर्ट को बताया कि निर्वाचन आयोग ने मजदूरों को भुगतान के लिए अनापति पत्र जारी कर दिया

इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूरों के पक्ष में अहम आदेश आया है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने तीन दिन के अंदर मजदूरों के खाते में बकाया राशि जमा कराने का आदेश दिया है। 32 साल से संघर्ष चल रहा है। 425 करोड़ रुपए जमा कराने

मजदूर यूनियन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गिरिश पटवर्धन और धीरजसिंह पंवार ने कोर्ट को बताया कि निर्वाचन आयाग ने मजदूरों को भुगतान के लिए अनापत्ति पत्र जारी कर दिया है। इसके बाद हाई कोर्ट

करते हुए कहा कि तीन दिन के भीतर पूरी राशि श्रमिकों के खाते में जमां की जाए। यह जानकारी देते हुए हरनासिंह धारीवाल और नरेंद्र श्रीवंश ने बताया सरकार को 425 करोड़ रुपए जमा करने होंगे। इनमें मजदूरों के ब्याज सहित 218 करोड़ रुपए भी हैं। तीन दिन में एसबीआई में खाता खोलकर यह रुपए जमा कराने होंगे। पहले इस

मामले में 5 दिसंबर को सुनवाई होना थी लेकिन निर्वाचन आयोग से अनुमति की सूचना मिलते ही हाई कोर्ट के समक्ष अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाई गई जिसे स्वीकार कर

1991 से हक के लिए भटक रहे

करीब 16 वर्ष पहले हाई कोर्ट ने मजदूरों के पक्ष में 229 करोड़ रुपये मुआवजा तय किया था। हुकमचंद मिल के 5895 मजदूर 12 दिसंबर 1991 को मिल बंद होने के बाद से अपने हक के लिए भटक रहे हैं। इसका भुगतान मिल की जमीन बेचकर किया जाना है, लेकिन वर्षों तक जमीन के स्वामित्व को लेकर नगर निगम और शासन के बीच विवाद चलता रहा।

बाद में जमीन बेचने के प्रयास हुए लेकिन बार-बार निविदाएं आमंत्रित

करने के बावजूद जमीन बेचने में सफलता नहीं मिली। इसके बाद मिल के हजारों मजदुरों को बकाया भुगतान मिलने की संभावनाएं क्षीर्ण हो गई थीं लेकिन नगर निगम और मप्र गृह निर्माण मंडल के बीच हुए समझौते के बाद बकाया मिलने की उम्मीदें एक बार फिर जागी।

मिल की जमीन पर होगा व्यवसायिक काम्प्लेक्स का निर्माण इस समझौते के मुताबिक मिल की जमीन पर गृह निर्माण मंडल और नगर निगम को संयुक्त रूप से आवासीय और व्यवसायिक काम्प्लेक्स का निर्माण करना है। इस निर्माण पर खर्च गृह निर्माण मंडल करेगा जबकि जमीन नगर निगम की है। इसके एवज में मंडल को मजदुरों और शेष लेनदारों का

एटीएम बदलकर पैसे निकालने वाला अंतरराज्यीय टग गिरोह गिरफ्तार, १५० कार्ड के साथ लाखों रुपये बरामद

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में सिटी कोतवाली थाना पुलिस को आज सुबह एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखविर की सुचना पर अंतरराज्यीय ठग गिरोह के तीन सदस्यों को अरेस्ट किया है। पलिस ने इनके कब्जे से 150 एटीएम कार्ड व पीओएस मशीन के साथ करीब साढे सात लाख नगदी बरामद की है। ये ठग गिरोह सफाई से एटीएम कार्ड बदलकर पीओएस मशीन के जरिये बैंक खाते से एक ही बार मे बड़ी धन राशि निकाल लेते थे। जानकारी के अनसार गत कछ दिन पहले कोतवाली पुलिस थाने में एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एटीएम से कैश निकालते समय अज्ञात लोगों ने बड़ी सफाई से उसका एटीएम कार्ड बदल लिया है। यही नहीं इस एटीएम कार्ड की मदद से अज्ञात लोगों ने उसके खाते से रुपये भी निकाल ने कुछ बदमाशों को चिन्हित कर उनको पकड़ने



लिए हैं। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ठग गिरोह की पड़ताल शुरू कर दी थी। पुलिस ने टेक्निकल तरीके से पड़ताल शुरू की तो, पता चला कि अंतरराज्यीय ठग गिरोह के लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसके बाद पुलिस

के लिए अपने मखबिर तंत्र को सक्रिय कर दिया। आज सुबह मुखबिर के जरिये सूचना मिली कि ठग गिरोह के लोग चार पहिया वाहन में सवार होकर ग्वालियर की तरफ निकलने वाले हैं। इसी सूचना पर पुलिस ने छौंदा टोल प्लाजा के पास दिबश देकर ठग गिरोह के तीन सदस्यों को दबोच

लिया। पूछताछ में अपने नाम धर्मेंद्र सास, अशोक सास निवासी हरियाणा तथा धर्मेंद्र ठाकुर निवासी दिल्ली बताए। कार की तलाशी लेने पर 150 एटीएम कार्ड, पीओएस मशीन तथा 7 लाख 30 हजार नगदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार ठगों ने दतिया, सागर, नरसिंह पुर, मंडला का अलावा छत्तीसगढ, यपी व राजस्थान में भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दिया है। एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने आज अंतरराज्यीय ठग गिरोह के तीन सदस्यों को पकड़ा है। उनके कब्जे से एटीएम कार्ड, पीओएस मशीन व साढ़े सात लाख नगदी बरामद हुई है। ये लोग बड़ी सफाई से एटीएम कार्ड बदल लेते थे। चूंकि एटीएम से पैसे निकालने के लिए लिमिट निर्धारित होती है। इसलिए ये लोग पीओएस मशीन के जरिये एक ही बार में बड़ी राशि निकाल लेते थे।गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

बारिश से छह डिग्री सेल्सियस लुढ़का दिन का तापमान

अंबाला। अंबाला में वीरवार को सबह से रुक रुककर बारिश हई। इससे दिन व रात्रि के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं सुबह तक 11 एमएम बारिश हो चुकी थी तो सायं तक नौ एमएम बारिश दर्ज की गई। ऐसे में अंबाला से कुल 20 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश और काले बादलों के कारण दिन में ही अंधेर छा

इतना ही नहीं बल्कि बारिश से दिन का तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया। अंबाला में वीरवार को दिन के समय 19.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं रात्रि तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। बारिश से लोग बचते नजर आए। सिर्फ यह नहीं

उत्तराखंड की सुरंग में फंसे हुए यूपी के आठ मजबूर

पहुंचे लखनऊ, मुख्यमंत्री योगीं से की मुलाकात



बल्कि बारिश ने गलन भी बढा दी है। ऐसा इसलिए क्योंकि पहाड़ी क्षेत्र से आ रही ठंडी हवा के कारण अंबाला में अधिक ठंड महसूस हो रही है।

वहीं सायं छह बजे भी हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से बारिश हुई है। आगामी एक दिसंबर तक इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मदन खीचड़ ने बताया कि दो दिसंबर से पांच दिसंबर के दौरान मौसम आमतौर पर ख़ुश्क तथा उत्तरी व उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से राज्य में रात्रि तापमान में हल्की गिरावट होने व दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी रहने तथा सुबह के समय हल्की धुंध

50 सेकेंड में मिलेगी 100 की स्पीड, टॉकबैक से होगी ड्राइवर से बात; RCF में निर्माण शुरू

खास बात यह है कि वंदे भारत चेयरकार डिजाइन के जनक एस. श्रीनिवास के हाथ में ही स्लीपर वर्जन के कोच तैयार करने की कमान है। इस समय एस.श्रीनिवास रेल कोच फैक्टरी कपूरथला में बतौर महाप्रबंधक तैनात हैं। आरसीएफ में पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस स्लीपर वर्जन की 16 ट्रेनों का निर्माण शुरू कर दिया गया है। अगले वित्त वर्ष में पहली ट्रेन रवाना किए जाने की संभावना है। काबिले गौर हो कि एस. श्रीनिवास आईसीएफ चेन्नई में बतौर चीफ डिजाइन इंजीनियर (सीडीई) सेवाएं निभा रहे थे और वंदे भारत चेयरकार का डिजाइन इनके मार्गदर्शन में ही तैयार किया गया था। एस. श्रीनिवास ने खुलासा कि फैक्टरी के इंजीनियरों ने डिजाइन की योजना पूरी कर ली है। पार्ट्स और अन्य उपकरणों की खरीद के लिए ऑर्डर दे दिए हैं। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन के लिए नए स्लीपर वर्जन कोच की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया कि इसका इंटीरियर



बिल्कुल हवाई जहाज जैसा होगा। लाइटिंग समेत अन्य सुविधाएं भी एयर ट्रेवल से मेल खाती होंगी। आपातकालीन स्थिति में यात्रियों को ट्रेन के ड्राइवर से टॉक बैक की सुविधा मिलेगी। हवाई जहाज की तरह वैक्यूम टॉयलेट होंगे। मेट्रो की तरह स्वचालित बाहरी दरवाजे और सेंसरयुक्त आंतरिक दरवाजे होंगे, जिससे यात्रियों को बेहद आरामदायक महसूस होगा।

बांग्लादेश के लिए भी 200 कोच बनाने का ऑर्डर

एस. श्रीनिवास ने बताया कि आरसीएफ को बांग्लादेश रेलवे के लिए विभिन्न वेरिएंट के 200 कोच

बनाने का निर्यात ऑर्डर मिला है। आरसीएफ जल्द ही इसका उत्पादन भी शुरू कर देगा। इसके अलावा आरसीएफ अगले साल मार्च के अंत तक मेन लाइन इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स (एमईएमयू) के 41 सेट तैयार करेगा।

उन्होंने कहा कि आरसीएफ ने 1985 में अपनी स्थापना के बाद से विभिन्न प्रकार के 43 हजार कोच तैयार किए हैं। आरसीएफ की ओर से बनाए गए विस्डम कोचों का परीक्षण सफल रहा और इन कोचों को जल्द ही कालका-शिमला हेरिटेज रेल ट्रैक पर परिचालन में लाया जाएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका हाल भी जाना और मुश्किल घड़ी में श्रमिकों ने किस तरह इसका सामना किया इसके विषय में उनके अनुभवों को भी सुना।सीएम योगी

ने कहा कि प्रसन्नता हो

रही है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास में उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल में फंसे उत्तर प्रदेश के श्रमिकों की सकुशल वापसी के बाद उनसे और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका हाल भी जाना और मुश्किल घड़ी में श्रमिकों ने किस तरह इसका सामना किया इसके विषय में उनके अनुभवों को भी सुना। सीएम योगी



ने कहा कि प्रसन्नता हो रही है कि टनल हादसे में फंसे उत्तर प्रदेश के सभी श्रमिक सकुशल वापस लौटे हैं और अब अब आप सभी अपने घरों को जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर मुश्किल समय में अपने लोगों के लिए खड़ी है और खडी रहेगी।इस दौरान सीएम योगी ने सभी श्रमिकों के साहस और धैर्य की सराहना भी की। उन्होंने सभी श्रमिकों को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से शॉल उढाकर सम्मानित

किया और उन्हें मिठाई और उपहार भी प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि उत्तरकाशी में टनल दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के कुल 8 श्रमिक फंस गए थे। टनल में पूरे 16 दिन बिताने के बाद 17वें दिन उनको बाहर निकाला जा सका। इनमें श्रावस्ती से 6 (अंकित, राम मिलन, सत्यदेव, संतोष, जयप्रकाश और राम सुंदर), लखीमपुर खीरी से एक (मंजीत) और मिजार्पुर से एक (अखिलेश कुमार) शामिल बाकी कंपनी और सरकार ने बहुद

थे। सीएम योगी के निर्देश पर इन भदद की। अगर बाहर से खाने-श्रमिकों की पल-पल जानकारी के लिए प्रदेश सरकार की ओर से एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। साथ ही सभी परिजनों को उनकी स्थिति के विषय में हर दिन अपडेट किया जा रहा था। सीएम योगी स्वयं इसकी मॉनीटरिंग भी कर रहे थे।

श्रमिकों ने सीएम को दी टनल में बिताए मुश्किल समय की

मुलाकात के दौरान एक श्रमिक ने बताया कि जब हादसा हुआ तो हमें लगा कि ऑक्सीजन पाइप में कुछ डैमेज हुआ है। हम जब आगे गए तो देखा सामने से मलबा आ रहा है। फिर हमारा हिम्मत टूट गया। उन्होंने बताया कि जिस जगह हम फंसे थे, उस जगह टनल की लंबाई ढाई किमी तक थी और चौड़ाई 14 मीटर थी। टनल में इतनी ऑक्सीजन थी कि हम दो-तीन दिन तक वहां रह सकते थे,

पीने की सामग्री और ऑक्सीजन की सप्लाई बंद हो जाती तो हमारा जीवन भी बंद हो जाता। उन्होंने बताया कि कंपनी और सरकार ने ऐसी व्यवस्था की थी कि अंदर एक मिनट भी लाइट नहीं गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से जब एक अधिकारी ने अंदर उनसे बात की तो पता चला कि सिर्फ भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार ही नहीं, बल्कि हमारे प्रदेश की सरकार भी हमें बचाने के लिए मुस्तैद है तो हम सब यूपी वालों को बहुत तसल्ली मिली। बातचीत के दौरान श्रमिकों ने भी प्रदेश सरकार की ओर से किए गए प्रयासों के लिए सीएम का धन्यवाद दिया। सीएम योगी ने सभी श्रमिकों से ये भी जाना कि वो कब से उत्तराखंड की इस टनल में काम कर रहे हैं। साथ ही सीएम ने श्रमिकों के परिजनों से भी बातचीत की और उनकी स्थिति के विषय

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं ३, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-४, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी .आर .बी . एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code: DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023